संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 19,अंक -264 बुधवार , 26 जुलाई 2023,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

देश के कई हिस्सों में फिर पनप रहा चक्रवाती तूफान

देश के 12 राज्यों में हाई अलर्ट

नई दिल्ली ,25 जुलाई 2023(ए)। बारिश के चलते काफी देशभर के कई राज्य बाढ़ से प्रभावित हैं। वहीं अब मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में एक चक्रवाती तूफान की स्थिति बनी हुई, जिसके चलते कुल 12 राज्यों में भारी बारिश की संभावना जताई जा रही है। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और ओडिशा के कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। तेलंगाना में अगले तीन दिन लोगों को बेवजह घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी गई है। उत्तर-भारत में पहाड़ी क्षेत्रों में भी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, जिसके कारण दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान से अधिक बना हुआ है। गंगा नदी भी इस वक्त उफान पर है। यही वजह है कि उत्तर प्रदेश के कई इलाकों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है।

मुंबई में भारी बारिश के चलते सोमवार को जनजीवन अस्त-व्यस्त रहा। मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग का कहना है कि बंगाल की खाड़ी में एक चक्रवाती तूफान पनप रहा है। यह पश्चिम मध्य और उससे सटे उत्तर पश्चिमी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना हुआ है। यह तूफान समुद्र तल से 5.8 से 7.6 किमी ऊपर है, जिसके कारण 24 घंटों में यहां कम दबाव का क्षेत्र बनने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने इस वजह से तेलंगाना, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात और तटीय कर्नाटक के अलग-अलग हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की आशंका जताई है। यहां पर कुल 115.6 मिलीमीटर से 204.4 मिलीमीटर तक बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक 64.5 मिमी से 115.5 मिमी तक बारिश का अनुमान हिमाचल प्रदेश, राजस्थान के पूर्वी हिस्से, पश्चिम मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, मराठवाड़ा, तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में भी है। इनमें से कुछ हिस्सों में भारी बारिश भी हो सकती है।

मंगलवार सुबह दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर 205.45 मीटर दर्ज किया गया है। यह खतरे के निशान से ज्यादा है। करीब 10 दिन पहले दिल्ली में लोगों ने बाढ़ जैसे हालातों का सामना किया। एक बार फिर राजधानी में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। हरिद्वार में गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। यह दोनों ही नदियां आगे चलकर उत्तर प्रदेश के अधिकांश हिस्से को कवर करती हैं। उत्तर प्रदेश के कई इलाकों के डूबने की आशंका जताई जा रही है। उधर, यमुना की सहायक नदी हिंडन भी पहाड़ों पर अत्याधिक बारिश के कारण कहर बरपा रही है। नोएडा, गाजियाबाद के कई क्षेत्रों को इसके कारण खाली करा लिया गया है। वहीं पहाड़ों पर बारिश के बीच उत्तराखंड में लैंडस्लाइड का सितम देखने को मिल रहा है। बिगड़े मौसम से लगातार कई जगह लैंडस्लाइड हो रही है। ताजा जानकारी के मुताबिक, आज (25 जुलाई) बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर लैंडस्लाइड की घटना सामने आई। सड़क पर मलबे के चलते रास्ता बंद और यातायात प्रभावित है।

चमोली पुलिस के मुताबिक, बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर नंदप्रयाग और पुरसारी के पास सड़क मलबे के कारण रास्ता बंद है। चमोली पुलिस ने इस इलाके का एक वीडियो भी शेयर किया। बता दें कि बारिश से जगह-जगह लैंडस्लाइड देखने को मिल रही है। लंबे-लंबे चीड़ के पेड़ दरकते पहाड़ के साथ नीचे जा रहे हैं। पेड़ों के साथ लैंडस्लाइड का पूरा मलबा नीचे बह रही नदी में गिर रहा है। इस वजह से सड़क ही नहीं, नदी की धारा में भी रुकावट आ रही है।

उत्तराखंड में सड़कों पर पहाड़ों का मलबा-बद्रीनाथ हाईवे बंद

संसद में गतिरोध पर सर्वदलीय बैठक रही बेनतीजा

» बसपा और ओवैसी ने लिया अलग स्टैंड

नई दिल्ली ,25 जुलाई 2023 (ए)। लोक सभा में सरकार और विपक्ष के बीच जारी गतिरोध को तोड़ने के लिए लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक बेनतीजा रही। हालांकि लोक सभा में सभी दलों के फ्लोर लीडर्स की बुलाई गई इस बैठक में बसपा और एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी ने अन्य विपक्षी दलों से अलग हटकर स्टैंड लिया।

लोक सभा अध्यक्ष द्वारा बुलाई गई फ्लोर लीडर्स की बैठक में मणिपुर पर संसद में जारी गतिरोध को खत्म करने पर कोई सहमति नहीं बन पाई। विपक्षी राजनीतिक दल अभी भी मणिपुर पर पीएम के बयान पर अड़े हुए हैं। सूत्रों के मुताबिक, फ्लोर लीडर्स की बैठक में कई विपक्षी दलों ने इस पर भी आपत्ति जताई कि प्रधानमंत्री मोदी ने मणिपुर पर संसद में बोलने की बजाए सदन के बाहर बयान क्यों दिया?

बैठक में सरकार की तरफ से एक बार फिर यह स्पष्ट किया गया कि सदन में मणिपुर पर चर्चा का जवाब गृह मंत्री अमित शाह ही देंगे। हालांकि फ्लोर लीडर्स की इस बैठक में बसपा और एआईएमआईएम के असदुद्दीन ओवैसी ने अन्य विपक्षी दलों से अलग हटकर स्टैंड लेते हुए कहा कि मणिपुर पर संसद में चर्चा होनी चाहिए और विपक्षी दलों को चर्चा का इस्तेमाल सरकार और प्रधानमंत्री मोदी को कटघरे में खड़ा करने के लिए करना चाहिए। बिरला ने दोनों पक्षों से बैठक में गतिरोध समाप्त करने की अपील की।

हाईकोर्ट के जजों को मिली जान से मारने की धमकी

बेंगलुरु ,25 जुलाई 2023 (ए)। कर्नाटक उच्च न्यायालय के 6 न्यायाधीशों को जान से मारने की धमकी मिली है। उगाही को लेकर जजों को धमकी दी गई है। यह धमकी तीन भाषाओं में व्हाट्सएप पर भेजे गए हैं। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि, एक अज्ञात व्यक्ति ने हाई कोर्ट के जनसंपर्क अधिकारी (पीआरओ) को व्हाट्सएप मैसेज के जरिए धमकी दी है और कहा है कि अगर आप 50 लाख रुपए नहीं भेजोगे तो हाई कोर्ट के जजों को जान से मार दूंगा। घटना 12 जुलाई की है, लेकिन मामला प्रकाश में देर से आई।

मणिपुर हिंसा के बीच इंटरनेट सेवा बहाल,मोबाइल इंटरनेट बंद

सोशल मीडिया पर भी रोक

इंफाल ,25 जुलाई 2023 (ए)। मणिपुर सरकार ने हिंसा के बीच सभी वर्गों के लोगों की मांगों पर विचार करते हुए जातीय हिंसा प्रभावित राज्य में 84 दिनों के बाद इंटरनेट पर प्रतिबंध आंशिक रूप से हटा दिया है। मणिपुर के गृह आयुक्त टी. रंजीत सिंह ने एक आदेश में कहा कि राज्य सरकार ने ब्रॉडबैंड सेवा (इंटरनेट लीज लाइन और फाइबर टू द होम) के मामले में 10 शर्तों को पूरा करने के अधीन सशर्त रूप से उदार तरीके से निलंबन हटाने का विचार किया है, जिसमें यह भी शामिल है कि कनेक्शन केवल स्टेटिक आईपी के माध्यम से होना चाहिए। मोबाइल इंटरनेट पर अभी भी प्रतिबंध है। साथ ही सोशल मीडिया वेबसाइटों तक भी पहुंच नहीं होगी।

आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार ने मोबाइल डेटा सेवा के लिए प्रभावी नियंत्रण और नियामक तंत्र की तैयारी के रूप में मोबाइल इंटरनेट डेटा को निलंबित रखने का फैसला किया है, क्योंकि व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर आदि जैसे विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से गलत सूचना और झूठी अफवाहें फैलने की अभी भी आशंका है। इसमें कहा गया है कि टैबलेट, कंप्यूटर, मोबाइल फोन आदि जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग करके आंदोलनकारियों और प्रदर्शनकारियों की भीड़ को बढ़ावा देने या संगठित करने के लिए बल्क एसएमएस और अन्य संदेश फैलाए जा सकते हैं, जो आगजनी और बर्बरता और अन्य प्रकार की हिंसक गतिविधियों में शामिल होकर जीवन की हानि या सार्वजनिक और निजी संपत्ति को नुकसान पहुंचा सकते हैं, जिसके लिए नियंत्रण तंत्र अभी भी खराब है।

घुसपैठ की कोशिश कर रहे पाकिस्तानी तस्कर को मार गिराया,

जम्मू ,25 जुलाई 2023 (ए)। जम्मू-कश्मीर के सांबा सेक्टर के रामगढ़ इलाके में आज तड़के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए मादक पदार्थों की तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए एक पाकिस्तानी तस्कर को मार गिराया है।

बीएसएफ प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि बीती रात सतर्क बीएसएफ जवानों ने एक पाक तस्कर को मार गिराया, जब वह रामगढ़ सीमा क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी करने की प्रयास कर रहा था।उन्होंने बताया कि इलाके की शुरुआती तलाशी के दौरान तस्कर के शव के साथ संदिग्ध नशीले पदार्थ (करीब चार किलोग्राम) के के चार पैकेट मिले। उन्होंने बताया कि इलाके में तलाशी अभियान जारी है। इसी कड़ी में बारामूला जिले में आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े दो आतंकवादी सहयोगियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि दोनों आतंकवादी सहयोगियों की पहचान दयाम मजीद खान और उबैर तारिक के रूप में हुई है। दोनों को क्रीरी बारामूला में एक विशिष्ट वारंट पर गिरफ्तार किया गया था।

पुलिस प्रवक्ता ने कहा, चक टप्पर क्रीरी में आतंकवादियों की आवाजाही के संबंध में विशेष सूचना पर पुलिस और 29 आरआर के संयुक्त बलों ने बस स्टॉप पर एक एमवीसीपी (मोबाइल वाहन चेक पोस्ट) लगाया। चक टपर से मेन रोड क्रेरी की ओर आ रहे दो संदिग्ध लोगों ने संयुक्त नाका पार्टी को देखकर भागने का प्रयास किया लेकिन सुरक्षाबलों ने चतुराई से उन्हें पकड़ लिया।

एयर होस्टेस गीतिका शर्मा सुसाइड केस में पूर्व मंत्री गोपाल कांडा और अरुणा चड्ढा बरी

नई दिल्ली ,25 जुलाई 2023 (ए)। एयर होस्टेस गीतिका शर्मा की आत्महत्या मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने हरियाणा के पूर्व मंत्री गोपाल गोयल कांडा और अरुणा चड्ढा को बरी कर दिया है। इस मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को फैसला सुनाया है।

चुनावी है मौसम-माहौल है गरम,कोई नहीं-किसी से कम

सिर्फ मुद्दों से नहीं बनेगी बात,जनता को देना होगा हिसाब

विधानसभा चुनाव तकरीबन चार महीने बाद हैं और इस बार नजर कोतमा विधानसभा चुनाव क्षेत्र पर होगी

माना जा रहा है जिले की तीनों सीटों में से यहा सबसे अधिक रोमांचक और बड़ा घमासान होने की संभावना है

प्रत्यक्ष तौर पर तीन चुनावी चेहरों के बीच मुकाबले का अनुमान है। वक्त आने पर संख्या बढ़ भी सकती है, जिसमें बीएसपी और आप की एंट्री भी अनुमानित है

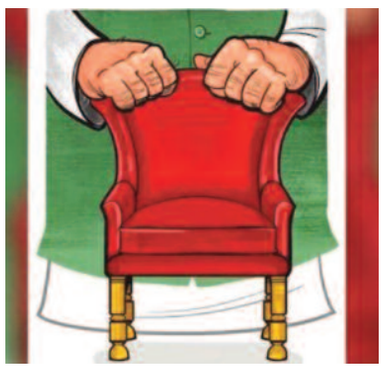

जनता को है हिसाब पूछने का हक

कोतमा विधायक सुनील सराफ के तीन प्रमुख मुद्दे स्वास्थ्य व्यवस्था, शिक्षा एवं क्षेत्र में रोजगार की पूर्णता रही हैं। जिसके लिए उन्होंने बाकायदा शपथ पत्र भी दिया था। अब समय है कि उनके कार्यकाल में हुए कामों की सार्वजनिक समीक्षा की जाए। नए चुनाव में जाने से पहले मुद्दों का आंकलन कर उनकी जमीनी हकीकत सामने लाई जाए। क्षेत्र में खराब स्वास्थ्य व्यवस्था व शिक्षा के मुद्दे को उछाल कर महीनों सियासी सुर्खियां बटोरने के बाद हुआ क्या.? लाखों रुपए खर्च करने के बाद हासिल क्या हुआ.? जनजागरण के नाम पर हंगामाई राजनीति से क्या समाधान निकला.? यह जानने

का हक आम मतदाता को है। कोतमा को स्मार्ट बनाने का सपना भी दिखाया गया। बतौर विधायक कार्य की गति प्रगति की जानकारी आमजन को दी जानी चाहिए। महज कह देने से तो कोतमा स्मार्ट नहीं बन जाने वाला। इसके दो पक्ष हैं, पहला सरकारी और दूसरा जन भागीदारी। जब कोई विधायक किसी शहर के विकास की बात करता है तो उसका आशय सरकार की योजनाओं, शासकीय मद व स्वीकृति से होता है। उसके प्रस्ताव आमंत्रित किए जाते हैं, शहर की जरूरतों का जिक्र होता है। कोतमा क्षेत्र को स्मार्ट बनाने में इन सबकी क्या स्थिति है, चुनाव से पहले सामने आना चाहिए। बड़े पैमाने पर विधायक निधि का उपयोग कहां किया गया उसके फायदे जनता को मिले या नही, उसकी जानकारी तो कम से कम दी जानी चाहिए।

विकास को लेकर ब्रजेश के अपने मुद्दे

भाजपा के ब्रजेश गौतम कोतमा का प्रतिनिधित्व करते हैं। तीन बार जिला अध्यक्ष रह चुके हैं व इन दिनों प्रदेश कार्य समिति के सदस्य हैं। ज्यादातर ग्रामीण इलाकों में सक्रिय रहने वाले ब्रजेश भाजपा में रहते हुए गत विधानसभा चुनाव में टिकट से महरूम रह गए थे। उनकी पुरानी अदावत पार्टी के ही पूर्व विधायक से है। इस विधानसभा चुनाव में उनके टिकट का दावा मजबूत रहेगा, बशर्ते टिकट वितरण में संगठन की चले। कोतमा के विकास को

लेकर ब्रजेश के अपने मुद्दे है। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी मुझ पर विश्वास करती है तो क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार की दिशा में काम करना मेरा प्रमुख उद्देश्य होगा साथ ही कोतमा को स्मार्ट सिटी बनाने की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे। आक्रामक सियासी शैली के ब्रजेश के पार्टी में उच्च स्तरीय संबंध भी हैं। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में मंत्री बने बिसाहू लाल के काफी करीबी है, इसका लाभ भी उन्हें मिलता दिखाई दे रहा है। ग्रामीण विकास के प्रति उनकी रुचि जग जाहिर है। उनकी राह में सबसे बड़ा कांटा पूर्व विधायक है यदि संगठन ने ब्राम्हण चेहरे पर विचार किया तो ब्रजेश गौतम पार्टी का चेहरा बन सकते हैं।

तो.! कौन होगा सिरमौर,ब्रजेश वर्सेस गर्गू

विधानसभा कोतमा में तीसरे दबंग नेता कांग्रेस के राकेश शुक्ला (गर्गू) हैं जो अक्सर बेरोजगार नौजवानों को स्थानीय रोजगार देने के लिए बेरोजगारों की अलख जगाते हैं। माना जाता है कि इस वजह से उनके पीछे बेरोजगार युवाओं की बड़ी तादाद है और स्थानीय स्तर पर भी उनका दबदबा है। ब्रजेश वर्सेस राकेश मुकाबला ज्यादा कड़ा हो सकता है और बाहुबल में भी दोनों कमजोर नहीं हैं एवं दलगत प्रतिस्पर्धा भी सत्ता

और विपक्ष की है। राकेश लगातार कांग्रेस में सक्रिय रहने वाले नेता है और टकराव की राजनीति से भी परहेज नहीं करते। कांग्रेस में उन्हे सभी बड़े नेताओं का साथ मिला हुआ है, आमतौर पर धारणा है कि ब्रजेश से मुकाबला करने में ज्यादा सक्षम हैं। तकरीबन सभी चुनाव लड़ने वाले नेताओं से यही सवाल है कि मुद्दे उछालने भर से कुछ नहीं होने वाला। विकास की गति का हिसाब दें मुद्दों की दिशा में समाधान की प्रगति की जानकारी उपलब्ध कराएं। गौरतलब है कि, इस विस चुनाव में बसपा, आप और दूसरे दलों की भी एंट्री अहम मुद्दों के साथ हो सकती है जिसका जवाब देना पड़ेगा। उस समय मतदाता के सामने अन्य विकल्प भी होंगे।

व्यंग लेखन — **अरविन्द द्विवेदी** अनुपपुर,म0प्र0

कहो तो कह दूं-पं अजय मिश्र

न डोली न कहार, दुल्हन चलने को तैयार

इन दिनों कांग्रेस में बुजुर्गों की यह लोकोक्ति चर्चा का विषय बनी हुई है। दरअसल कांग्रेस एक बार पुनः सत्ता में वापिसी के लिए दम भर रही है। लेकिन जिन पर जिला कांग्रेस को आगे ले जाने की जिम्मेदारी है उनकी स्वीकार्यता पार्टी नेताओं में ही नजर नहीं आती है। हालात यह हैं कि संगठन के अगुवा को जब पार्टी ही स्वीकार नहीं कर रही है तो फिर जनता कैसे करेगी.? यह सवाल कांग्रेस के एक खेमे द्वारा जिला कांग्रेस चीफ को भावी विधायक के तौर पर प्रोजेक्ट किया गया तो इसकी तीखी प्रतिक्रिया हुई। जिला संगठन के कई शीर्ष नेताओं ने इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि यह संगठन तय करेगा। इस पर कई वरिष्ठ कांग्रेसियों ने कटाक्ष भी किए कि पहले पार्टी को उस स्थिति तक तो पहुंचाइए जिस तक पहुंचने से कुर्सी हाथ लगनी है। इन नेताओं का कहना है कि जेसीसी चीफ के समर्थकों की यह कवायद %न डोली न कहार, दुल्हन चलने को तैयार% जैसी है। क्योंकि अभी न तो मुखिया ने जिला कमेटी का गठन किया है और आंतरिक मुड़फोर के चलते फिलहाल ऐसा माहौल भी नजर नहीं आ रहा है कि कांग्रेस उस तक पहुंचने के लिए फिक्रमंद भी है। बावजूद इसके प्रोजेक्शन शुरू हो गया। जाहिर है कि चीफ को विधायक के तौर पर प्रोजेक्ट करना कांग्रेस के कई नेताओं को रास नहीं आया है। काश कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के बाद अब अनुपपुर में पार्टी जोड़ो यात्रा भी निकाल लेते तो शायद पार्टी का ज्यादा भला हो सकता।

-अरविंद द्विवेदी-

अनूपपुर,25जुलाई2023(घटती-घटना)। वर्तमान राजनैतिक परिस्थितियों में जिन बड़े चेहरों की बात की जा रही है उनमें मौजूदा कांग्रेस विधायक सुनील सराफ, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य ब्रजेश गौतम और कांग्रेस के ही राकेश शुक्ला (गर्गू) हैं। तीनों ही टिकट के दावेदार हैं, ब्रजेश गौतम व राकेश शुक्ला दोनो हीं ब्राम्हण नेता के तौर पर जाने जाते हैं। जहां ब्रजेश व सुनील दलगत प्रतिद्वंद्वी हैं वहीं राकेश शुक्ला गर्गू कांग्रेस के दबंग नेताओं में गिने जाते हैं और व्यावसायिक तौर पर भी सक्षम हैं। सभी के अपने-अपने मुद्दे हैं जिसे समय-समय पर सियासी फायदे के लिए उछाला जाता है। अब चुनावी मौसम है, मुद्दे गरम हैं, सवाल ये है कि सिर्फ मुद्दे उछालने से काम नहीं चलने वाला। मतदाताओं को बताना होगा कि उनकी दिशा में धरातल पर समाधान कितना हुआ।

संपादकीय

पवार के रास्ते पर सोनिया!

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी क्या एनसीपी के दिग्गज नेता शरद पवार के रास्ते चलेंगी? शरद पवार लंबे समय तक बारामती लोकसभा सीट से चुनाव जीतते रहे थे। लेकिन जब उनकी सेहत बिगड़ी तो उन्होंने लोकसभा सीट अपनी बेटी के लिए छोड़ दी और खुद राज्यसभा में चले गए। अब वे राज्यसभा सांसद हैं और उनकी बेटी सुप्रिया सुले बारामती का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसी तरह से कहा जा रहा है कि सोनिया गांधी अपने परिवार की पारंपरिक लोकसभा सीट रायबरेली छोड़ देंगी और राज्यसभा में जाएंगी। गौरतलब है कि उनकी भी सेहत अच्छी नहीं है और लंबे समय से वे अपने चुनाव क्षेत्र में नहीं गई हैं। पहले उनके क्षेत्र का काम प्रियंका गांधी वाड्रा देखती थीं लेकिन जब से वे राष्ट्रीय राजनीति में महासचिव बन कर सक्रिय हुई हैं तब से अमेठी और रायबरेली पर कम ध्यान दे रही हैं।

बताया जा रहा है कि जैसे शरद पवार ने बारामती सीट सुप्रिया सुले के लिए छोड़ी थी वैसे ही सोनिया गांधी रायबरेली सीट प्रियंका के लिए छोड़ेंगी। उनकी जगह अगला लोकसभा चुनाव प्रियका गांधी वाड्रा लड़ सकती हैं। प्रियंका के चुनाव लड़ने का असर कुछ और सीटों पर पड़ेगा। हालांकि पार्टी का एक खेमा चाहता है कि उनको चुनाव नहीं लड़ना चाहिए क्योंकि उनको पूरे देश में प्रचार करना है। बहरहाल, वह फैसला कांग्रेसको करना है। इस बीच यह खबर है कि सोनिया गांधी कर्नाटक से राज्यसभा में जा सकती हैं। अगले साल होने वाले दोवार्षिक चुनावों में अगर सोनिया कर्नाटक से राज्यसभा में जाती हैं और राहुल गांधी केरल से चुनाव लड़ते हैं तो कांग्रेस इन दोनों राज्यों में बहुत अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर सकती है। वैसे भी विधानसभा चुनाव जीतने के बाद कर्नाटक में कांग्रेस लोकसभा चुनाव में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है।

प्रकृति में हरियाली और उल्लास का पर्यायःवर्षा ऋतु

मानव का पूरा जीवन चक्र मौसम की इर्द-गिर्द घूमता हुआ दिखाई देता है,और इसी के अनुरूप वह अपने जीवन को ढालने की कोशिश करता है।जैसेङ्कजैसे मौसम में बदलाव आता है,ठीक उसी प्रकार वह अपने जीवन में बदलाव लाते हुए सकारात्मक भाव भरता है।मौसम मुख्यतः तीन प्रकार के माने गए हैं जैसेङ्कग्रीष्म ऋतु,वर्षा ऋतु,और
ठंड ऋतु। इसके अलावा इन मौसम के संक्रमण काल में तीन ऋतुएं और आती है जिसको तीन अलगङ्कअलग नामों से जाना जाता है जिसमें वसंत,हेमंत,और शिशिर ऋतु होता है।नाम के अनुरूप सभी मौसम का अपना अलगःअलग महत्व और विशेषता भी है।ऐसा कोई मौसम नही जो अपने आप में महत्व न रखता हो।
इस मौसम में एक है वर्षा ऋतु,जिसका नाम मात्र लेने से मन में
मस्ती,आनंद,उमंग,और उल्लास,अनायास ही आ जाता है
तभी तो मुकुटधर पांडेय जी कहते हैं
वर्षा बहार सब के, मन लुभा रही है
नभ में छटा अनूठी,घनघोर छा रही है।
इस प्रकार से भीषण गर्मी,तपन के बाद बादलों की गड़गड़ाहट के साथ बिजलियां चमकती है और बारिश होती है ऐसे दृश्य को वाल्मीकि ने वर्षा ऋतु को सुहावना बताते हुए कहा-
बरषा काल मेघ नभ छाए।गरजत लागत परम सुहाए।।
इधर धरा से सौंधी-सौंधी मिट्टी की महक आने लगती है।धरा के प्यासे जीव-संकुल तृप्त हो जाते हैं।और ऐसे समय में वर्षा में पड़ने वाली मोतियों के समान बूंदें,बौछारें,कोहरे,वर्षा की झड़ी, गर्जन, बिजलियां,बादलों का उमड़-घुमड़ कर बरसना,मयूरों का नर्तन करना,वसुंधरा पर हरी-हरी घास और पेड़-पौधों में हरियाली चादर का ओढ़ना आदि हमारे मन को मंत्रमुग्ध कर देती है तभी तो नागार्जुन कहते हैं-
अमल धवल गिरि के शिखरों पर,
बादल को घिरते देखा है,
छोटे-छोटे मोती जैसे उसके शीतल
तुहिन कणों को,
मानसरोवर के उन स्वर्णिम
कमलों पर गिरते देखा है।
ऐसे सुहावने,वर्षा ऋतु को देखकर हमारा मन बाग-बाग हो जाता है और प्रसाद जी कह उठते हैं छिटका जीवन हरियाली पर, मंगल कुंकुम सारा।
लघु सुरधनु से पंख पसारे, शीतल मलय समीर सहारे।
ऐसे उत्स को निहार कर कलम भावों में रस छंद,अलकारों को सजाती सुंदर नवगीत, काव्य-सृजन करना आरंभ कर देती है तभी तो महादेवी वर्मा जी कहती हैं
रूपसि तेरा घन-केश-पाश ! श्यामल-श्यामल कोमल-कोमल लहराता सुरभित केश-पाश ! नभ-गंगा की रजतधार में धो आयी क्या इन्हें रात ?
इसी प्रकार पद्माकर कवि ने कहा-
चंचला चमाकैं चहूँ ओरन तें चाह-भरी,
चरजि गयी ती फेरि चरजन लागी री।
एक प्रकार से यह कह सकते हैं की यह ऋतु हमारे लिए एक प्रेरणा,उत्साह,आशा का संचार लेकर आती है जो हमारे जीवन में एक नया रंग भर देती है।
इसीलिए तो हमारे हिंदी साहित्य जगत में आदिकाल से लेकर
आधुनिक काल के कवियों ने वर्षा ऋतु पर एक से बढ़कर एक काव्य सृजन की है।जो मानव जीवन के लिए प्रेरणा श्रोत रही है।

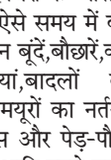

अशोक पटेल आशु
शिवरीनारायण
छत्तीसगढ़,

बैंक ऋण वसूली,रिकवरी के अनैतिक,मनमाने तरीकों की संसद के मानसून सत्र में गूंज

सरकारी व निजी बैंकों को लोन रीपेमेंट, रिकवरी के लिए जोर जबरदस्ती नहीं करने, मानवीय व संवेदनशील आधार अपनाने की हिदायत
स्थानीय निकायों, संस्थाओं द्वारा मकान या प्रॉपर्टी टैक्स वसूली में जोर-जबर्दस्ती ज़ब्ती पर रोक लगाकर मानवीय व संवेदनशील आधार अपनाने का निर्देश ज़रूरी

वैश्विक स्तरपर भारत अब पांचवीसे तीसरी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ चला, दुनियां की सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश हो चला है,जहां स्टार्टअप नवाचार नवोन्मेष को प्रोत्साहन देने के लिए सरकारी व निजी बैंक अपने द्वार पर झोली खोलें खड़े हैं कि आओ स्टार्टअप व्यापार, व्यवसाय लगाने के लिए फाइनेंस करवाओ क्योंकि अब हरभारतीय को नौकरी देने वाला बनना है ना कि नौकरी पाने वाला बनना है, जो बहुत अधिक अच्छी बात है परंतु बैंकों से लोन लेने के बाद पूर्णता सफ़ल हो जाएं ऐसाज़रूरी नहीं है। कुछ लोग शुरुआती दिनों में वित्तीय या आर्थिक हालातों में तंगी से जूझते हैं, जबतक उनका व्यापार व्यवसाय स्टार्टअप या उद्योग सेटल न हो जाए परंतु लोन रीपेमेंट की तारीख आती है तो बैंक अपने प्रतिनिधियों, एजेंटों के हसते साम दाम दंड भेद की नीति अपनाना शुरू कर देते है, उन्हें कस्टमर्स की स्थितियों परिस्थितियों से कोई लेना देना नहीं है,जो मानवीय व संवेदनशीलता के दृष्टिकोण के बिल्कुल उलट व विरूध हैं, जिसकी गूंज आखिर संसद के मानसून सत्र में दिनांक 24 जुलाई 2023 को प्रश्नकाल के समय गूंज उठी, जिसका वित्त राज्य मंत्री और बाद में माननीय वित्त मंत्री द्वारा सरकारी और निजी बैंकों को इसे रोकने के लिए कठोरता से हिदायत जारी की है। इसी प्रकार का उदाहरण मैं अपने गोंदिया शहर के नगर परिषद का देता हूं जहां उनके द्वारा मकान दुकान मालमत्ता कर प्रॉपर्टी टैक्स वसूलने के लिए दबंगई दिखाई जाती है जहां वसूली के लिए प्रशासकीय अधिकारी को साथ नगर परिषद का पूरा महकमा निकल पड़ता है, जिसमें मेरा मानना है कि कुछ अन्य विभागों के कर्मचारी तो कुछ बाहरी लोग भी शामिल होते हैं और घर मकान मालक दुकानदारों के साथ दबंगई मनमानी जोर-जबर्दस्ती कर जब्ती की धमकी दी जाती है जिसे मैंने कई बार अपनी आंखों से देखा है। मेरा मानना है कि इस प्रकार की गैर मानवीय व संवेदनहीनता अन्य शहरों नगरों में भी वहां की नगर परिषद महानगर पालिका सहित अन्य प्रकार की स्थानीय संस्थाओं द्वारा की जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, जिसे स्थानीय कलेक्टर द्वारा उन स्थानीय निकायों को हिदायत देने की खास ज़रूरत है। चूंकि आज ऋण वसूली पर जोर जबरदस्ती नहीं करने व मानवीय संवेदनशीलता आधार अपनाने की हिदायत माननीय केंद्रीय मंत्री द्वारा दी गई है इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,बैंक ऋण वसूली रिकवरी के अनैतिक मनमाने तरीकों की संसद के मानसून सत्र में गूंज, स्थानीय निकायों संस्थाओं द्वारा मकान या प्रॉपर्टी टैक्स वसूली में जोर जबरदस्ती जब्ती पर रोक लगाकर मानवीय वसंवेदनशीलता का आधार जरूरी हैं।

साथियों बात अगर हम केंद्रीय वित्तमंत्री द्वारा संसद में बैंकों के लोन रिकवरी पर बैंकों को गंभीरता से आगाह और हिदायत देने की करें तो, हाल के दिनों में बैंकों के रिकवरी के तौर तरीकों को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। आज की इसकी गूंज संसद में भी सुनाई दी जब प्रश्नकाल में बैंकों के मनमाने और अनैतिक तरीके से लोन की रिकवरी करने को लेकर लोकसभा में प्रश्नकाल में प्रश्न पूछा गया।पहले इस प्रश्न का जवाब वित्त राज्यमंत्री दे रहे थे, लेकिन बाद में खुद वित्तमंत्री ने इस प्रश्न का जवाब दिया। इसी महीने 6 जुलाई 2023 को वित्तमंत्री ने सरकारी बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ बैंकों के कामकाज की समीक्षा करने के लिए बैठक की थी। इस बैठक में वित्तमंत्री ने बैंकों से कस्टमर्स की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए सर्विसेज को सरल बनाने के साथ ग्राहकों की सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने को कहा था, बता दें कि वित्त मंत्री ने बैंकों को निर्मम तरीके से रोल की रिकवरी करने

को लेकर आगाह किया है। वित्त मंत्री ने कहा कि बैंकों द्वारा जोर जबरदस्ती के साथ लोन को रिकवरी करने की उन्हें शिकायतें मिली हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि उन्होंने सरकारी से लेकर निजी सभी बैंकों को ये हियादत दी है लोन रीपेमेंट के प्रोसेस के दौरान सख्त कदम उठाने से परहेज करें, साथ ही ऐसे मामलों में संवदेनशील और मानवीय आधार पर कोई भी कार्रवाईकरें।

साथियों बात अगरहमआरबीआई द्वारा कस्टमर्स को प्रताड़ति करने के बढ़ते मामलों का संज्ञान लेने की करें तो, पिछले दिनों बैंकिंग सेक्टर के रेग्यूलेटर आरबीआई ने बैंकों के रिकवरी एजेंट्स द्वारा कस्टमर्स को प्रताड़ति करने के बढ़ते मामले का संज्ञान लिया है। रिकवरी एजेंट्स के हाथों कस्टमर्स के प्रताड़ना को रोकने के लिए आरबीआई ने गाइडलाइंस भी तैयार किया है, जिसमें रिकवरी एजेंट्स द्वारा की गई बदसलूकी और उनकी कार्रवाई की जिम्मेदारी अब बैंकों,एनबीएफसी और फिनटेक कंपनियों पर होगी। आरबीआई ने रेग्यूलेटेड इकाईयों से कहा कि उन्हें ये सुनिश्चित करना होगा कि उनके रिकवरी एजेंट्स कर्ज वसूली के दौरान कस्टमर्स को ना तो धमकी दें और ना उन्हें प्रताड़ति करें।लोगों की निजता का उल्लंघन कर सार्वजनिक तौर पर अपमानित करने की मंशा के साथ कोई कार्रवाई नहीं करेंगे।रिकवरी कॉल केवल सुबह 8 से शाम 7 बजे तक की ही की जा सकती है। साथ ही रिकवरी एजेट्स फोन या सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक मैसेज नहीं भेज सकते।रबित ने 2008 के एक परिपत्र में बैंकों को चेतावनी दी थी कि यदि उसे एजेंटों के बारे में शिकायतें मिलती हैं तो वह वसूली एजेंटों कोशामिल करने पर बैंक पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर सकता है। इसके अलावा, बैंकों को समय समय पर अपने वसूली तंत्र की समीक्षा करने और दिशा निर्देशों में सुधार के लिए अपने सुझाव देने के लिए कहा गया था।कस्टमर्स के लिए ये जानना जरुरी है अगर वे पेमेंट डिफॉल्ट करते हैं और रिकवरी एजेंट्स उनसे संपर्क करने के दौरान प्रताड़ति कर रहा तो उसके कॉल, एसएमएस ईमेल कारिकॉर्ड जरुर रखें, तत्काल रुप से राहत के लिए पुलिस में भी शिकायत दर्ज करा सकते हैं। पुलिस से राहत नहीं मिलने पर कोर्ट से राहत लेकर प्रताड़ना के लिए मुआवजा क्लेम कर सकते हैं। प्रताड़ना जारी रहने पर आरबीआई के पास शिकायत कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम लोन गरीबों के लिए टेंशन और अमीरों द्वारा लिया गया लोन बैंकों के लिए टेंशन की करें तो, आम आदमी यदि लोन न चुका पाए तो वित्तीय संस्थाओं द्वारा उसे डराया-धमकाया भी जाता रहा है. यही वजह है कि भारतीय रिजर्व बैंक ने वित्तीय संस्थानों द्वारा लोन रिकवरी के संबंध में कुछ सख्त कानून बनाए हैं, ये कानून आम आदमी के हितों की रक्षा करते हैं, जबकि बैंकों समेत सभी वित्तीय संस्थानों को कड़े नियमों में बांधते हैं, ताकि वे मनमानी न कर पाएं। अगर हमने बैंक से लोन लिया है और किस्त चुकाने से चूक गए हैं तो बैंक वसूली के नाम पर मनमानी नहीं कर सकता है। फिर भी देशभर में रिकवरी एजेंट्स की मनमानी के कई मामले सामने आते रहते हैं, इसलिए जरूरी है कि हम आरबीआई के इन नियमों के बारे में अच्छे से जान लें, ताकि अगर कोई एजेंट हमको लोन के पैसों के लिए डराये-धमकाये तो हमें पता हो कि हमारे पास क्या कानूनी अधिकार है।

साथियों बात अगर हम लोन रिकवरी नियमों की करें तो, हम जब भी किसी बैंक से लोन लेते हैं और अगर दो ईएमीआई नहीं चुकाते है तो बैंक सबसे पहले हमको एक रिमाइंडर भेजता है। लेकिन तीन किस्त का भुगतान नहीं करने पर बैंक हमको एक कानूनी नोटिस भेजगा और चेतावनी देगा कि अगर आप पेमेंट नहीं करते हैं तो बैंक की तरफ से आपको डिफॉल्टर घोषित कर दिया जाएगा। वहीं, नोटिस के बाद बैंक रिकवरी एजेंट के माध्यम से ग्राहक से लोन की रिकवरी शुरू करता है। बैंक के लोन रिकवरी एजेंट अगर हमको डराते-धमकाते हैं तो हम सीधे पुलिसशिकायत कर सकते हैं चूंकि लोन की किस्त नहीं चुका पाना सिविल विवाद के दायरे में आता है। अगर बैंक अधिकारी या रिकवरी एजेंट इन नियमों को तोड़ते हैं तो ग्राहक इसकी शिकायत पुलिस या आरबीआई से कर सकते हैं। हाल ही में आरबीआई ने प्राइवेट सेक्टर के आरबीएल बैंक पर 2.27 करोड़ रुपये का जुर्माना ठोका था, यह जुर्माना इसलिए लगाया था क्योंकि बैंक ने लोन रिकवरी एजेंट भर्ती करने के लिए कुछ जरूरी नियमों का पूरे तरीके से पालन नहीं किया था। इसके अलावा, बैंकों को समय-समय पर अपने वसूली तंत्र की समीक्षा करने और दिशा-निर्देशों में सुधार के लिए अपने सुझाव देने के लिए कहा गया था। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि ये दिशानिर्देश सभी वाणिज्यिक बैंकों, सहकारी बैंकों, एनबीएफसी, एआरसी और अखिल भारतीय वित्तीय संस्थानों पर लागू होंगे।

अतःअगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन करउसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि बैंक ऋण वसूली, रिकवरी के अनैतिक, मनमाने तरीकों की संसद के मानसून सत्र में गूंज।सरकारी व निजी बैंकों को लोन रीपेमेंट, रिकवरी के लिए जोर जबरदस्ती नहीं करने, मानवीय व संवेदनशील आधार अपनाने की हिदायत।स्थानीय निकायों, संस्थाओं द्वारा मकान या प्रॉपर्टी टैक्स वसूली में जोर-जबर्दस्ती ज़ब्ती पर रोक लगाकर मानवीय व संवेदनशील आधार अपनाने का निर्देश ज़रूरी है।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी
गोंदिया महाराष्ट्र

मणिपुर में नारी सुरक्षा पर बड़ा प्रश्नचिन्ह

देश में स्त्री अस्मिता की स्वतंत्रता और रक्षा की अराजक और भयावह स्थिति

अब भारत में स्त्रियों की स्वतंत्रता,रक्षा और अस्मिता बचाने की स्थिति बड़ी भयावह हो चुकी है। त्रासदी यह है की मणिपुर में जिस तरह महिलाओं पर पाशविक अत्याचार हुआ है वह संपूर्ण घटनाक्रम मानव जाति के लिए एक शर्मनाक स्थिति है। किसी भी सभ्य देश के लिए यह एक बड़ा काला अध्याय और हृदय विदारक घटना है। इसके अलावा पूर्व में एक नाबालिक बालिका साक्षी को प्रेम प्रसंग के चलते युवक द्वारा चाकू तथा पत्थरों से सरेराह भीड़ के बीच मौत के घाट उतारना एक दर्दनाक तथा भयावह घटना है। क्या हम मानव से पशु हो चुके हैं जो जो महिलाओं की इस तरह दर्दनाक हत्या करने और सार्वजनिक तौर पर बेइज्जत करने पर आमादा हैं। इसके पूर्व भी एक युवती श्रद्धा की एक प्रेमी युवक द्वारा शरीर के 34 टुकड़े कर खौफनाक हत्या कर दी गई थी. ऐसा लगता है मानो समाज में कोई सुरक्षा व्यवस्था है ही नहींद्य दूसरी तरफ देश के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मेडल लाने वाली साक्षी मलिक विनेश फोगाट और अन्य महिला भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर महिला तथा पुरुष पहलवानों द्वारा लगातार धरना प्रदर्शन किया जा रहा था बड़े संघर्षों और प्रयासों के बाद बृजभूषण सिंह के खिलाफ एफ आई आर के तहत कार्यवाही की जा रही है। बात यहां तक पहुंच गई थी कि वे अपनी कड़ी मेहनत तथा खून पसीने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा के बाद देश के लिए प्राप्त किए मेडल को हरिद्वार जाकर गंगा में विसर्जित करने के लिए मजबूर हो गई थी उन्हें समझा-बुझाकर ऐसा करने से रोक तो लिया गया है पर क्या न्याय में देरी न्याय के विमुख होना नहीं है, इसी तरह मणिपुर में हिंसा के खिलाफ मीराबाई चानू तथा अन्य 11 मेडलिस्ट ने अपने पदक वापस करने की घोषणा कर दी है। स्थिति बड़ी अराजक एवं भयावह है देश में सुरक्षा तथा कानून व्यवस्था एकदम लचर हो गई है। महिलाएं असुरक्षित है और न्याय के लिए बाट जोहने पर मजबूर है। हम कागज में महिला सुरक्षा स्त्री सशक्तिकरण महिला भागीदारी की बढ़-चढ़कर बात करते हैं पर धरातल पर वेबसाइट के विपरीत और चिंतनीय है।

देश की विशाल जनसंख्या मैं 50प्रतिशत की भागीदारी रखने वाली राष्ट्र की संवेदनशील माताएं ,बहने अपने मूल तथा सार्थक अधिकार की तलाश में अभी भी संविधान और सरकार की तरफ आस लगाए इंतजार में बैठी हुई है। स्त्रियों का एक बड़ा तबका अभी भी अपनी स्वतंत्रता एवं मौलिक अधिकार से वंचित है। महिलाओं का विकास जितना विशाल आभासी रूप से दिखाया जा रहा है, वास्तविकता एवं धरातल पर स्थिति वैसी नहीं है। महिलाओं के भौतिक रूप से विकास के लिए एक जन अभियान और पृथक समेकित योजना की आवश्यकता देश में होगी तब जाकर महिलाओं के सशक्तिकरण की बात अपनी मूल भावना को प्राप्त कर पाएगा। वर्तमान में भारत की विशाल जनसंख्या में 45त्न से 50त्न भागीदारी महिलाओं की है । महिलाओं को अभी उनके हक का अधिकार एवं भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, ऐसे में रक्षा प्रतिरक्षा क्षेत्र में महिलाओं की भर्ती एक अच्छे संकेत के रूप में सामने आ रही है। आज के समय में महिलाएं सभी क्षेत्रों में साहस, शौर्य और ऊर्जा का बेहतरीन प्रदर्शन करते आ रही हैं, महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर काम में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। अब इसमें सशस्त्र बलों यानी डिफेंस सर्विस भी अछूता नहीं रहा सबसे बड़ी बात स्वतंत्र भारत की दूसरी रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण बनी थी इसके पूर्व श्रीमती इंदिरा गांधी प्रथम रक्षा मंत्री रही थीद्य अब कोई भी क्षेत्र ऐसा अछूता नहीं रहा जहां महिलाओं ने अपनी सशक्त दस्तक ई पहचान ना कराई हो, यह तो पूर्व से ही कहा गया है यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो सिर्फ एक पुरुष शिक्षक होता है किंतु यदि आप किसी महिला को सर्वांगीण शिक्षा देते हैं तो आने वाली संपूर्ण पीढ़ी को शिक्षित कर रहे हैं ।नारी शक्ति को अब ज्यादा दिनों तक देश की प्रगति विकास के योगदान से परे नहीं रखा जा सकता है। परिवार की धुरी महिलाएं होती है परिवार से घर बनता है धर से समाज और समाज और संपूर्ण समाज से एक सशक्त राष्ट्र की बुनियाद रखी जाती है। इस तरह देश की बुनियाद ही स्त्री सशक्तिकरण है। महिलाएं अच्छी तरह समझती हैं कि घर से लेकर देश की सीमा तक उन्हें व्यवहार कर देश के विकास और उसकी रक्षा में उन्हें किस तरह योगदान देना है। महिलाओं के बिना देश की प्रगति एवं विकास की कल्पना सर्वथा बेमानी है। सशक्त माताएं सशक्त राष्ट्र का निर्माण करती हैंद्य और सीमा रक्षा बलों में महिलाओं की भागीदारी इसका एक बड़ा उदाहरण और प्रतिफल है इन उदाहरणों में से प्रथम लेफ्टिनेंट सुनीता अरोड़ा ,प्रथम एयर मार्शल पद्मावती बंदोपाध्याय ,कैप्टन मिताली मधुमिता ,भारत में आए अमेरिकी राष्ट्रपति को गार्ड ऑफ ऑनर देने वाली प्रथम विंग कमांडर पूजा ठाकुर ऐसे अधिकारियों के नाम है जिन्होंने रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है एवं महिलाओं के प्रति सारी अवधारणाओं को गलत साबित कर एक सशक्त छवि को निरूपित किया है। महिलाओं की शारीरिक बनावट तथा उनके शारीरिक विन्यास को देखते हुए प्रतिरक्षा सेवा में उनकी भूमिका बहुत कम रही है,हम मां दुर्गा भवानी की पूजा करते हैं और महिलाओं को कमजोर समझते हैं। किंतु उनकी शक्ति को उनकी भागीदारी को अंततः स्वीकार किया गया और 1992 में पहली बार भारतीय सेना में महिलाओं के लिए द्वार खोले गए एवं 25 महिला कैंडिडेट को ऑफिसर ट्रेनिंग एकेडमी गया में ट्रेनिंग दी गई इसके पूर्व सिर्फ चिकित्सा सेवा में महिलाओं को नियुक्त किया जाता रहा है। सेना में इनकी भागीदारी होते हुए भी इन्हें पुरुषों के समान अधिकार नहीं दिए गए थे, महिलाएं रक्षा सेवा में विधिक, शिक्षा, इंजीनियरिंग, इंटेलिजेंस तथा ऐयर सिग्नल कोर में अपनी सेवाएं देती रही हैं ।महिलाओं को केवल शॉर्ट सर्विस कमिशन जाने की 14 साल तक के लिए कमीशन किया जाता रहा जबकि पूरे समय के लिए केवल पुरुषों को ही सेना में भर्ती किया जाता थाद्य 2008 में उच्च न्यायालय के निर्देश पर महिलाओं को परमानेंट कमिशन पर रखा जाने लगा।यह नारी सशक्तिकरण के लिए एक सशक्त मील का पत्थर साबित हुआ। सेना की सैन्य प्रमुखों की समिति ने सशस्त्र बलों में महिलाओं की नियुक्ति पर स्थाई कमीशन की सिफारिश तो की किंतु इन्हें लड़ाकू सैनिकों की भूमिका देने से इनकार कर दिया उसके पीछे यह दलील दी गई की महिलाओं को लड़ाई के मैदान में भेजना उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए ठीक नहीं एवं देश की संस्कृति के अनुसार महिलाओं को दुश्मन से लड़ने भेजना अथवा दुश्मन द्वारा पकड़े जाने पर उचित नहीं होगा। इसलिए महिलाओं को फ्रंटलाइन में नियुक्त किया जाना उचित नहीं होगा किंतु बाद में कुछ संशोधन किए जाने के पश्चात महिला अधिकारी कॉम्बैट जोन में पदस्थ की जाने लगी किंतु समाज का नजरिया महिलाओं के संदर्भ में बदलने लगा एवं 2016 में सशस्त्र बलों के कॉम्बैट क्षेत्र में महिलाओं को नियुक्ति देने की बात स्वीकार की गई इसमें दुनिया में कुछ देश ही हैं जिन्होंने महिलाओं को वार फ्रंट पर नियुक्त किया है। पूर्व के थल सेना प्रमुख बिपिन रावत ने भी कहा था कि हम महिला और पुरुष को समान रूप से देखना चाहते एवं इसके लिए जल थल और वायु सेना एक रूपरेखा तैयार कर रही है जिसके सुखद परिणाम भी होंगे,सशस्त्र बलों में महिलाओं की भागीदारी मजबूत रूप से सामने आएगी एवं पुरुषों की भांति देश की रक्षा तथा दुश्मनों से लोहा लेने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगीं।

संजीव ठाकुर
चौबे कॉलोनी,रायपुर,छत्तीसगढ़,

बरसा ले गोहार

चेत लगाके सुनले गोठ ।
करदे अब तो बरसा पोठ ।।
बिन बरसा हे मरे बिहान ।
खेत-खार ला परिया जान ।।
नइ आये ले परे अकाल ।
जिनगी होही बारा हाल ।।
तोर अगोरा करँय किसान ।
होत हवय कतका हलकान ।।
ढर- ढर सब आँसू ढरकाय ।
बइठे हावँय आस लगाय ।।
तोर भरोसा हवँय किसान ।
अब तो तैंहा रखले मान ।।
रद- रद ले बरसा दे आज ।
होय किसानी के सब काज ।
तरसत भुइयाँ के भगवान ।
धरती मा हरियाली लान ।।

मुकेश उइके मयारू
चेपा,पाली,कोरबा
छत्तीसगढ़.

साँप सीढ़ी

मेरा जीवन बन गयी साँप सीढ़ी है
जिसमें धीरे-धीरे चढ़ते आयी पीढ़ी है
पर वे न सफल हुए
जब उत्साह से बढ़ना चाहे
मंजिल मार्ग में चढ़ना चाहे
तब-तब साँपों का दखल हुए
डसकर नीचे जाने को विह्वल किए।
फिर मेरी भी यही कहानी है
जीवन संघर्षो की दीवानी है
जब पहुँच जाता मंजिल के करीब
असीम परिश्रम और स्थिति रह गरीब
फिर भाग्य धोखा दे जाता
थोड़ी बिंदु से पीछे रह जाता
फिर डस लेता विशाल भुजंग
रणभूमि में हार जाता मैं जंग
फिर आ जाता उसी स्थान पर
जहाँ कदम उठे थे सोपान पर
फिर साहस भरकर चलने की यत्न में
अहि से बच सीढ़ी मिलने की प्रयत्न में।।

चन्द्रकांत खूंटे क्रांति
जांजगीर-चाम्पा, छत्तीसगढ़

होनी के आगे कुछ नहीं कर पायेगा

जैसे बोयेगा वैसे ही फल तू पायेगा
जरुरत पर कोई साथ नहीं आयेगा
ये जग की रीत समझ नहीं आयेगा
होनी के आगे कुछ नहीं कर पायेगा
मानव तन तो मिट्टी का ही मकान है
पल-पल बदलती इसकी पहचान है
मानवता नहीं तो स्वयं तू पछतायेगा
होनी के आगे कुछ नहीं कर पायेगा
जान है तो सब रिश्तों का काफिला है
जाने के बाद यहाँ किसे क्या मिला है
अपनी ही करनी का फल तू पायेगा
होनी के आगे कुछ नहीं कर पायेगा
जीवन पथ मे जरा संभलकर के चले
इंसानियत से गुलशन को सींचते चले
भवसागर से तू सहज ही तर जायेगा
होनी के आगे कुछ नहीं कर पायेगा
आओ जीवन को प्रतिपल जीवंत करें
निज तेज से स्वयं को अब तो संत करें
ऐसे जीने से जीवन सफल हो जायेगा
होनी के आगे कुछ नहीं कर पायेगा

प्रमेशदीप मानिकपुरी
धमतरी
छत्तीसगढ़.

उचित प्रश्न

मणिपुर में चल रहे दंगों का
हवाला देते हुए अनावृत
लड़की नहीं...
और षडयंत्रकारियों ने
भी ऐसा ही किया
सिर्फ हिंसा नहीं
इसके साथ मजे करो
साम्प्रदायिक बैठक देखी
बार-बार घंटी बजाओ
भारत माता की जय... !
पाठ में आता है भारत माता
यहां उजागर हुआ दुर्व्यवहार
अश्लील रूप से कुरूप
वो इसलिए कि...
अभी भी भारत में हैं
कितने लोगों के लिए?
परिचित लगता है?
ये सही है.वो क्या तुम्हें पता भी है?
केवल यदि आप जानते हैं
आप क्या करते हैं?
क्या आप इसे फाड़ने वाले हैं?
स्वयं है आपका उचित प्रश्न
ये भी सही है...
नहीं, कोई ग़लत नहीं.

ओत्तेरी सेल्वा कुमार
चेन्नई,
तमिलनाडु

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।

जंगल से भटक कर रिहायशी क्षेत्र में पहुंचे कोटरा पर कुत्तों ने किया हमला,ग्रामीणों ने बचाई जान

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 25 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

जंगल से भटककर एक कोटरा शहर से लगे रिहायशी इलाका घुटरापारा में पहुंच गया। इस दौरान कुत्तों की नजर पड़ते ही उसपर हमला कर दिया। ग्रामीणों की नजर पड़ी तो उसको कुत्तों से बचाया और मामले की जानकारी वन विभाग को दी। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने कोटरा को इलाज के लिए अस्पताल ले गया। उसे शहर के संजय पार्क में रखकर निगरानी रखी जा रही है।

जंगल से भटक कर कोटरा शहर से लगे ग्रामीण क्षेत्र में पहुंच रहे हैं। मंगलवार की सुबह जंगल

पानी व भोजन की तलाश में आए दिन से भटक कर एक कोटरा शहर से लगे घुटरापारा क्षेत्र में पहुंच गया। कोटरा पर कुत्तों की नजर पड़ते ही उसे दौड़ाने लगे। इस दौरान कुत्तों ने उसे जख्मी भी कर दिया। कोटरा कुत्तों से बचने के लिए एक ग्रामीण के घर में घुस गया। ग्रामीण ने पहले कुत्तों को भगाया और कोटरा को पहले पानी पिलाया। इसके बाद मामले की जानकारी वन विभाग को दी। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने कोटरा को इलाज के लिए मवेशी अस्पताल लाए। यहां इलाज के बाद वन विभाग द्वारा उसे सुरक्षित संतय पार्क में रखकर निगरानी की जा रही है। रेंजर संजय लकड़ा का कहना है कि स्वस्थ्य होने पर उसे पुन- जंगल में लेजाकर छोड़ दिया जाएगा।

शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को दिया जाएगा निःशुल्क प्रशिक्षण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 25 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

छत्तीसगढ़ में सत्र 2022-23 के विभिन्न खेलों का शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता अब जल्द ही प्रारंभ होने जा रहा है। जिसे देखते हुए सरगुजा बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष आदितेश्वर शरण सिंह देव ने गांधी स्टेडियम में स्थित बास्केटबॉल ग्राउंड पर जाकर खिलाड़ियों से मुलाकात की एवं खिलाड़ियों के परेशानियों के बारे में जानकारी ली।

आदितेश्वर शरण ने बताया कि विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण गांधी स्टेडियम के बास्केटबॉल ग्राउंड में निःशुल्क दिया जाएगा। जिससे आने वाले शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता में सरगुजा के खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं और उनके मूलभूत सुविधाओं को पूर्ण किया जाएगा। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि यहां पर बास्केटबाल, कार्फबाल, नेटबाल, मिनीगोल्फ, वुडबाल, स्पीडबाल, ड्रॉप रोबॉल और फैंसिग प्रशिक्षण दिया जाता है। जिस भी खिलाड़ी को प्रशिक्षण प्राप्त करना है वह बास्केटबॉल ग्राउंड पर संपर्क कर सकता है। इस दौरान ग्राउंड पर राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह, अजय सिंह, हिमांशु जायसवाल, रजत सिंह एवं अनन्य वरिष्ठ खिलाड़ी स्थिति थे।

पुरानी रंजिश पर बंसूला से हमला कर महिला की हत्या,आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 25 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम तुंगा पखनाढोढी में पुरानी रंजिश पर एक युवक ने गांव के ही एक महिला को बंसूला से हमला कर मौत के घाट उतार दिया। घटना के दौरान मृतका घर में अकेली थी। इस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार सुमारी सिंह पति विष्णु प्रसाद उम्र 50 वर्ष लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम तुंगा पखनाढोढ़ी की रहने वाली थी। सुमारी पति व बेटी के साथ रहती थी। 24 जुलाई की शाम को सुमारी का पति सामान लेने दुकान गया था। वह इसकी बेटी खेत में रोपा लगाने गई थी। कुछ देर बाद पति दुकान से सामान लेकर वापस लौटा तो इसकी पत्नी घर के परछी में खून से लतपथ मृत अवस्था में पड़ी थी। मृतका के पति विष्णु प्रसाद ने घटना की जानकारी लखनपुर पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की। इस दौरान विष्णु ने पुलिस को बताया कि गांव के ही शिवपाल सिंह से पुरानी रंजिश है। शक के आधार पर पुलिस ने शिवपाल को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की तो वह पुरानी रंतिश पर महिला को बंसुला से हमला कर हत्या करने की बात स्वीकार की। जिसे पुलिस ने आरोपी शिवपाल सिंह पिता बंधु राम कवर उम्र 25 वर्ष को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त बंसुला भी जब्त किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी लखनपुर प्रशिक्षु चिराग जैन, उप निरीक्षक डाकेश्वर सिंह, प्रमोद पाण्डेय, सउनि अरुण गुप्ता, डेविड मिंज, प्रआर नरेंद्र जांगड़े, आरक्षक देवेन्द्र सिंह, वंदे केरकेट्टा, जानकी प्रसाद राजवाडे इन्द्र प्रताप सिंह, राजेन्द्र सिंह, शामिल रहे।

सफाई करने के नाम पर सोने का चेन व अंगूठी लेकर फरार हो गए दो युवक

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 25 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

सफाई करने के नाम पर महिला से सोने का चेन व अंगूठी ठगने का मामला सामने आया है। पीड़ित महिला ने मामले की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात दो युवकों के खिलाफ अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार प्रतिभा गोयल शहर के खरसिया चौक के पास की रहने वाली है। सोमवार की सुबह बाइक से दो युवक प्रतिभा गोयल के घर के पास पहुंचे और कहा कि हमलोग पीतल का बर्तन सफाई करते हैं। इनके झांसे में महिला आ गई और पहले पीतल का पूजा का बर्जन सफाई करने के लिए दी। दोनों युवकों ने केमिकल लगाकर पीलत का बर्तन सफाई कर वापस दे दिया। इस दौरान दोनों युवकों ने कहा कि चांदी का सामान भी साफ करते हैं। महिला दोनों युवकों पर विश्वास करती गई और वह चांदी का कुछ जेवर भी साफ करने के लिए दी। दोनों युवकों ने चांदी का सामान को भी सफाई कर वापस दे दिया। इस दौरान महिला विश्वास में आकर दोनों युवकों को गले से चेन व अंगूठी निकाल कर सफाई करने के लिए दे दी। सफाई का सिलसिला चल ही रहा था कि अचानक दोनों युवक फरार हो गए। इस दौरान महिला देखती रह गई और उसे कुछ समझ में भी नहीं आया। पीड़ित महिला ने

विवादित भूमि पर कराए जा रहे अवैध निर्माण,छात्र नेता ने की जनदर्शन में शिकायत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 25 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

छात्र नेता शुभम जायसवाल के नेतृत्व में युवाओं ने प्रतापपुर मार्ग की विवादित भूमि पर कराए जा रहे अवैध निर्माण का विरोध जताते हुए आज जनदर्शन में ज्ञापन दिया है। प्रतापपुर मार्ग पर वन विभाग के कार्यालय के सामने स्थित इस भूमि पर पार्षद एवं भाजपा नेता आलोक दुबे का परिवार अधिपत्यधारी रहा है। इस भूमि पर एक वाद में राजस्व मंडल ने यह माना है कि यह भूमि छोटे झाड का जंगल है न कि अधिपत्यधारी परिवार के स्वामित्व की भूमि है। हालांकि इस मामले में माननीय उच्च न्यायालय में वाद प्रस्तुत होने पर माननीय उच्च न्यायालय ने राजस्व मंडल के आदेश पर स्थगन आदेश दिया है, किंतु यथा स्थिति बनाये रखने का आदेश दिया है। आज जनदर्शन में आवेदन देने वाले छात्र नेता शुभम जायसवाल ने आरोप लगाया कि माननीय उच्च न्यायालय के द्वारा यथास्थिति का आदेश देने के बावजूद अधिपत्यधारी परिवार के द्वारा प्रतापपुर मार्ग के सहारे दुकानो का निर्माण करा कर उस किराये पर दिया जा रहा है। इस भूमि पर कई स्थानो पर यथास्थिति बनाये रखने के आदेश के बावजूद मकानो का निर्माण किया जा रहा है। शुभम जायसवाल का कहना है कि शहर में शासकीय भूमि की कमी है। शहर के युवा इस बात के लिये आशावान हैं कि माननीय उच्च न्यायालय राजस्व मंडल के निर्णय को जारी रखेगा। इससे शहर के इस शासकीय भूमि पर युवाओं के लिये क्रिडा परिसर के रुप में विकसित किया जायेगा। इस स्थिति को ध्यान रखते हुए शुभम सोनी के नेतृत्व में युवाओं ने जनदर्शन में ज्ञापन देकर कलेक्टर से इन अवैध निर्माण को तोडने का निवेदन किया है। शुभम जायसवाल के साथ आज ज्ञापन देने वालों में राहुल सोनी, अनिकेत गुप्ता, सालिक, नीरज गुप्ता, आफताब अंसारी, अनुराग सोनी, सलीम खान, मनीष माईकल, आर्यन गुप्ता, निमेश राज गुप्ता, अतुल ताम्रकार, निखिल सिंह, अंकुश साहू, राहुल सोनी, विशाल सोनी, अंकुर गुप्ता, बिट्टु खान, अरशद हुसैन, सिरिल टोप्पो, यश राजवाडे, इरफान, सैफ अलि, रशीद, सुमीत सोनी, दानिश, पियुष सोनी, आकाश जायसवाल, अंकित सोनी, प्रिंस गुप्ता, अनिल गुप्ता आदि शामिल हैं।

आईजी ने बलरामपुर व सूरजपुर जिले से लगे एमपी सीमा के अर्न्तराज्जीय चेकपोस्ट का किया निरीक्षण

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 25 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

आईजी रामगोपाल गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक सूरजपुर आई कल्याण एलिसेला द्वारा छत्तीसगढ़ के जिला बलरामपुर एवं सूरजपुर से लगे अर्न्तराज्जीय मध्यप्रदेश बॉर्डर के चेकपोस्ट का जायजा लिया। चेकपोस्ट पर स्थापित सीसीटीव्ही कैमरा का जायजा लिया, तैनात अधिकारी व जवानों का हौसला अफजाई करते हुए उन्हें सजगता के साथ अवैध गांजा व शराब सहित अवैध गतिविधियों-कार्यों के विरूद्ध सख्ती से कार्य करने एवं आने-जाने वाले संदिग्ध वाहनों की चेकिंग के निर्देश दिए। आईजी द्वारा रेंज की पुलिसिंग में कसावट लाने एवं मैदानी क्षेत्र के थानों का जायजा लेने अचानक पहुंचे जिला बलरामपुर के थाना बसंतपुर अंतर्गत चौकी वाड्रफनगर एवं सूरजपुर के थाना चांदनी व चौकी परिसर का निरीक्षण किए। थाना, चौकी में संधारित विभिन्न पंजियों जैसे तैनाती रजिस्टर, जरायम पंजी, दैनिक डायरी, बंदी-गृह मालखाना, शत्रागार के साथ-साथ सीसीटीएनएस कक्ष का अवलोकन किया। औचक निरिक्षण के दौरान आईजी द्वारा थाना प्रभारी सहित समस्त स्टॉफ को निर्देशित किया गया की ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं हो निरंतर गश्त व पेट्रोलिंग करने के साथ-साथ थाना,चौकी क्षेत्र अंतर्गत असमाजिक तत्वों जैसे गुंडा बदमाश, निगरानी बदमाश जैसे संदिग्धो पर सतत निगरानी बनाए रखने हेतु सक्त निर्देश दिए। लंबित प्रकरणों का यथाशीघ्र निकाल करने एवं समंस-वारंट की तामिली समय-सीमा में करने निर्देश दिए।

आईजी द्वारा निर्देशित किया गया कि गंभीर अपराध, गुम बालक-बालिकाओ, चिटफंड जैसे मामलों में थाना, चौकी प्रभारी स्वयं विवेचना करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय अधिकारी वाड्रफनगर अभिषेक झा सहित थाना, चौकी प्रभारी एवं सूरजपुर के संबंधित थाना, चौकी प्रभारी सहित पुलिस स्टॉफ मौजूद रहे।

चेकपोस्ट पर बरते कड़ी चौकसी

पुलिस के कार्यो व सक्रियता को परखने, अंतर्राज्जीय सीमा पर बने चेक पोस्ट पर जवानों की सक्रियता का जायजा लेने पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा व पुलिस अधीक्षक सूरजपुर चांदनी थाना क्षेत्र अन्तर्गत छत्तीसगढ़- मध्यप्रदेश के सीमा पर चौकी बलंगी स्थित तुगवां बॉर्डर एवं जिला सूरजपुर के चांदनी नवाटोला चेकपोस्ट का जायजा लिया। चेकपोस्ट पर कड़ी चौकसी के लिए लगाए गए सीसीटीव्ही कैमरा का अवलोकन कर फुटेज रिकार्डिंग क्षमता को जाना और बेहतर रख-रखाव के निर्देश दिए। तैनात अधिकारी व जवानों को कहा कि आपकी निगाह से अवैध शराब व गांजा की तस्करी करने वाले बचने नहीं चाहिए, अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगाह रखे, संदिग्ध वाहनों की कड़ी जांच की जाए एवं किसी भी परिस्थिति में धान का अवैध परिवहन न होने पाए। इस दौरान दोनों जिले के पुलिस अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

राज्य औद्योगिक विकास निगम के अध्यक्ष नंदकुमार साय पहुँचे युवा कॉंग्रेस विधानसभा अध्यक्ष के निवास कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 25 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन के के राज्य औद्योगिक विकास निगम अध्यक्ष नंदकुमार साय 24 जुलाई दिन सोमवार की दोपहर लगभग 3:00 बजे लखनपुर विकासखंड के ग्राम जमदरा स्थित कार्यक्रम में शामिल होने के पश्चात लखनपुर स्थित युवा कांग्रेस के विधानसभा अध्यक्ष आमिर सोहैल के निवास पहुंचे।कांग्रेसी कार्यकर्ताओं के द्वारा आतिशबाजी और फूल माला पहनाकर उनका भव्य स्वागत किया गया तत्पश्चात उन्होंने युवा कांग्रेस व एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा किया। मीडिया से चर्चा करने के दौरान उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य के ट्राइबल क्षेत्र बस्तर और सरगुजा संभाग का दौरा किया जा रहा है। ट्राइबल क्षेत्रों में उद्योग स्थापित कर लोगों को रोजगार से जोड़ने की उन्होंने बात की। कुन्नी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में हाल फिलहाल में डॉक्टर की लापरवाही से हुए सर्पदंश से बच्चे की मौत के संबंध में उन्होंने जांच कराते हुए उचित कार्यवाही की बात कही है।इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष आमिर सोहेल ,कांग्रेस ब्लॉक उपाध्यक्ष मुकेश सिंह ,संतोष साहू,प्रिंस वर्मा,आसिफ़ नूर, मयंक गुप्ता, सत्यम साहू , राहुल गुप्ता, सुजीत तायल, इमरान हुसैन सहित सैकड़ों की संख्या में यूथ कांग्रेस व एनएसयूआई के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आलोक दुबे,गोपाल पांडे को मिली बीजेपी प्रदेश चुनाव व्यवस्था समिति में जगह

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 25 जुलाई 2023 (घटती घटना)। सरगुजा भाजपा से वरिष्ठ पार्षद बीजेपी नेता आलोक दुबे तथा भाजपा सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रदेश पदाधिकारी गोपाल पांडे को बीजेपी प्रदेश चुनाव व्यवस्था समिति में जगह मिली है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने प्रदेश चुनाव व्यवस्था से संबंधित विभिन्न समितियों की घोषणा की है जिसमें वरिष्ठ पार्षद व बीजेपी नेता आलोक दुबे को अन्य राज्यों से आने वाले कार्यकर्ताओं की समन्वय समिति में तथा सरगुजा के भाजपा युवा नेता व सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रदेश पदाधिकारी रहे गोपाल पांडे को क्रेंट क्रिएटर समिति में सदस्य बनाया गया है। दोनों सक्रिय बीजेपी कार्यकर्ताओं को बीजेपी प्रदेश टीम में स्थान मिलने से स्थानीय कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है।

राजभवन में कुलपति प्रो.अशोक सिंह ने 7 बिन्दूओं पर दी प्रस्तुति

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 25 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

राज्यपाल विश्वभूषण हरिचन्दन ने छत्तीसगढ़ के समस्त विश्वविद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, नैक सम्बद्धता तथा ग्रेडिंग, अनुसन्धान कार्य एवं अन्य गतिविधियों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उच्च शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं शासकीय विश्वविद्यालयों के कुलपति उपस्थित रहे। बैठक में संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय, सरगुजा के कुलपति प्रो. अशोक सिंह ने सात मुख्य बिन्दुओं पर अपनी प्रस्तुति दी। जिसमें उन्होंने बतलाया कि विश्वविद्यालय को वर्तमान में नैक से 'सी' ग्रेड प्राप्त है एवं आगामी वर्ष में पुन- नैक निरीक्षण की तैयारियों में विश्वविद्यालय युद्ध स्तर पर जुट गया है तथा नैक ग्रेडिंग में सुधार हेतु प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए कहा कि विश्वविद्यालय के नवीन परिसर ग्राम भकुरा में युटिलिटि सेन्टर, कुलपति एवं कुलसचिव निवास का कार्य पूर्ण हो चुका है एवं ऑडिटोरियम तथा ग्रन्थालय का कार्य भी शीघ्र ही पूर्ण हो जायेगा। कुलपति ने बतलाया कि विश्वविद्यालय की वेबसाइट में राजभवन की वेबसाइट के लिंक को भी प्रदर्शित किया गया है एवं समस्त अकादमिक गतिविधियां, प्रवेश, परीक्षा, माइग्रेशन एवं डिग्री हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से सुविधा दी जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि विश्वविद्यालय ने 6 गांव, हर्राटिकरा, पण्डोनगर, कृष्णपुर, घंघरी, सल्का एवं मेंडरा खुर्द को गोद लिया है जहां समय-समय पर शिक्षा एवं स्वास्थ के क्षेत्र में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा नयी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत कुल 2,16,426 डिग्रीयां को अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट में ऑनलाईन अपलोड किया गया है। विश्वविद्यालय द्वारा राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय उच्च शिक्षण संस्थानों से शोध के क्षेत्र में सहयोग हेतु एमओयू किये हैं। जिसमें अमेरिका के ग्लोबल नोलेज फाउण्डेशन (जीकेएफ) अमेरिकन इंस्टीट्युट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड टेक्नोलॉजी एआईएमटी एवं युनिवर्सिटी ऑफ मेरीलैण्ड, इस्टर्न शोर यूएसए शामिल हैं। विश्वविद्यालय में शोध को बढ़ावा देने हेतु इनफ्लिबनेट गांधीनगर से भी करार किया है। वर्तमान समय में विश्वविद्यालय में 21 विभिन्न विषयों पर पीएचडी में प्रवेश हेतु प्रक्रिया जारी है। शोध कार्यों की गुणवत्ता बढ़ाने हेतु विश्वविद्यालय की आईक्यूएसी सेल द्वारा विभिन्न गतिविधियां भी संचालित की जा रही हैं।

सड़क दुर्घटना से बचाने घुमंतु पशुओं को लगाया गया रेडियम बेल्ट

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 25 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

शहर में आए दिन गौवंशो कि सडक़ दुर्घटना से मृत्यु हो जा रही है। जिसे देखते हुए गौ सेवा मंडल सरगुजा के तत्वधान में घुमंतु गायों के गले में रेडियम बेल्ट बांधा गया। हिमांशु जायसवाल ने बताया कि गौवंश सडक़ के किनारे सुखी जगह पर बैठे रहते है जिससे कि रात्रिकालीन में वाहन चालकों को दिखाई नहीं देता है जिसके कारण गाय सडक़ दुर्घटना का शिकार होते हैं। जिसके रोकथाम के लिए रेडियम बैल्ट बांधा गया जो कि रात्रिकालीन में चमकती है जिससे वाहन चालकों को दूर से ही गाय नजर आ जाएगा और गौवंशो को सडक़ से दुर्घटना होने से बचाएगा। यह रेडियम बैल्ट रात में चमकने के कारण सडक़ दुर्घटना को कम करने में कारगर साबित होगी। प्रथम कड़ी में बिलासपुर चौक से बिलासपुर रोड स्थित मणिपुर थाना तक 100 से अधिक गायों को रेडियम बैल्ट बांधा गया। जिससे सडक़ दुर्घटना में रोकथाम लग सके। रेडियम बैल्ट बांधने की प्रक्रिया निरन्तर चलती रहेगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से हमारा साथ देने आए पशुपालन विभाग के उपसंचालक बृजवासी सतनामी, अमित वर्मा, राम कपूर, रिंकू तिवारी, हिमांशु जायसवाल, कुन्दन पाण्डेय, दीपक गुप्ता, अजीत, ईशु शर्मा, विशाल केशरी, तरुण यादव, सुधांशू, गजेन्द्र, चंदन चौरसिया व अन्य उपस्थित थे।

उत्तर कोरिया ने दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं

सियोल । दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा कि उत्तर कोरिया ने पूर्वी सागर में दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। बयान में कहा गया, सेना ने सोमवार रात 11.55 बजे और मंगलवार की आधी रात को उत्तर कोरिया द्वारा प्योंगयांग के पास के इलाकों से पूर्वी सागर में दागी गई दो बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगाया। जेसीएस के हवाले से बताया कि दोनों मिसाइलें समुद्र में गिरने से पहले लगभग 400 किमी तक उड़ीं। जेसीएस के अनुसार, दागी गई मिसाइलों के सटीक प्रकार का निर्धारण करने के लिए सेना अभी भी उत्तर के नवीनतम मिसाइल प्रक्षेपण का विश्लेषण कर रही है। उत्तर कोरिया का नवीनतम मिसाइल प्रक्षेपण तब हुआ है, जब परमाणु ऊर्जा से चलने वाली अमेरिकी पनडुब्बी, यूएसएस अन्नापोलिस, उत्तर कोरिया के बढ़ते खतरों के खिलाफ संयुक्त निरोध को मजबूत करने के प्रयासों के तहत दक्षिण कोरिया के दक्षिणी द्वीप जेजू में एक नौसैनिक अड्डे पर पहुंची। उत्तर कोरिया ने 1 जुलाई को पूर्वी सागर में दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, इसके बाद 22 जुलाई को कई क्रूज़ मिसाइलें लॉन्च की गईं

श्रीलंका में अपना दूतावास बंद करेगा नॉर्वे

कोलंबो । नॉर्वे सरकार ने घोषणा की है कि वह 31 जुलाई को श्रीलंका में अपना दूतावास बंद कर देगी और 1 अगस्त से नई दिल्ली स्थित राजनयिक मिशन से संचालन करेगा। कोलंबो में नॉर्वेजियन दूतावास ने एक फेसबुक पोस्ट में कहा, यह फेसबुक पेज बंद हो जाएगा। हम आपको भारत, श्रीलंका और मालदीव के साथ हमारे चल रहे सहयोग पर अधिक अपडेट के लिए नई दिल्ली में नॉर्वेजियन दूतावास के पेज को फॉलो करने के लिए आमंत्रित करते हैं !इसमें कहा गया है, नई दिल्ली में नॉर्वेजियन दूतावास अब भारत, भूटान, श्रीलंका और मालदीव में नॉर्वे के लिए जिम्मेदार मिशन होगा, जिसकी अध्यक्षता भारत में नॉर्वेजियन राजदूत करेंगे। यह निर्णय नॉर्वेजियन विदेश मंत्रालय की उस घोषणा के महीनों बाद आया है जिसमें कहा गया था कि कोलंबो में नॉर्वे के दूतावास सहित उसके पांच विदेशी मिशन बंद कर दिए जाएंगे नॉर्वेजियन विदेश मंत्री एनिकेन ह्यूटफेल्ट ने सितंबर 2022 में घोषणा की थी कि देश अपने विदेशी मिशनों में कई बदलाव करेगा। नॉर्वे और श्रीलंका ने 1952 में राजनयिक संबंध स्थापित किए थे और कोलंबो में दूतावास 1996 में खोला गया था।

अटाकामा रेगिस्तान के अल्टिप्लानो में पड़ती है दुनिया की सबसे ज्यादा धूप

वॉशिंगटन । पृथ्वी पर सबसे ज्यादा धूप अटाकामा रेगिस्तान में मौजूद अल्टिप्लानो में पड़ती है। बता दें ?कि यह जगह चिली में एंडीज पहाड़ों के पास एक शुष्क पठार है। यहां इतनी ज्यादा धूप मिलती है, जितनी कि हमारे सौरमंडल के शुक्र ग्रह पर पड़ती है। अमेरिकी मौसम विज्ञान सोसायटी के जर्नल बुलेटिन में 3 जुलाई को प्रकाशित अध्ययन के मुताबिक आमतौर पर यह ठंडी और शुष्क जगह है। लगभग 4000 मीटर की ऊंचाई वाली इस जगह पर भूमध्य रेखा के करीब या अधिक ऊंचाई वाले स्थानों की तुलना में ज्यादा धूप मिलती है। जानकारी के अनुसार अटाकामा रेगिस्तान कई कारणों से विशेष है। यह पृथ्वी पर सबसे पुराना रेगिस्तान है। यह ध्रुवों से दूर सबसे शुष्क जगहों में से एक है। पर्यटकों के लिए रात के आकाश को देखने के लिए इसे सबसे साफ जगहों में से एक माना जाता है। चिली अल्टिप्लानो अपने सौर विकिरण या सूर्य से पृथ्वी पर उत्सर्जित प्रकाश ऊर्जा के उत्पादन के लिए भी जाना जाता है। हालां?कि वैज्ञानिकों ने यहां पठार पर रेडिएशन 2,177 वाट प्रति वर्ग मीटर मापा है जो एक वर्ल्ड रिकॉर्ड है। इसकी तुलना के लिहाज से पृथ्वी के वायुमंडल के शीर्ष पर यह रेडिएशन लगभग 1360 वाट प्रति वर्ग मीटर है। नीदरलैंड में ग्रोनिंगन यूनिवर्सिटी के जलवायु विज्ञानी राउल कोर्डेरो का कहना है कि यह उतना रेडिएशन है, जितना आपको शुक्र ग्रह पर गर्मियों में मिलेगा। उन्होंने इस तुलना को अविश्वसनीय बताया। ऐसा इसलिए क्योंकि पृथ्वी की तुलना में शुक्र सूर्य से 28 फीसदी करीब है। पठार पर औसत सौर विकिरण लगभग 308 वाट प्रति वर्ग मीटर है। यह भी विश्व रिकॉर्ड है, जो यूरोप और अमेरिकी पूर्वी तट में दर्ज किए गए आंकड़ों से दोगुना है। इसी तरह नासा के वायुमंडलीय वैज्ञानिक सेजी काटो के मुताबिक सोलर रेडिएशन वायुमंडल से धरती तक आने के दौरान बादलों की ओर से अवशोषित कर लिया जाता है। हालांकि यह एक ऐसी जगह जो जल वाष्प परत के ऊपर है और कम बादल हैं उन्हें अनिवार्य रूप से ज्यादा धूप मिलेगी। चिली के इतने धूपदार होने के पीछे दक्षिणी गोलार्ध में इसकी भौगोलिक स्थिति है।

जापान पुलिस ने एक व्यक्ति का सिर काटने के मामले में महिला और उसके माता-पिता को गिरफ्तार किया

तोक्यो। जापान के उत्तरी शहर साप्पोरो में तीन सप्ताह पहले एक होटल के कमरे में एक व्यक्ति की सिर कटी लाश मिली थी और इस मामले में एक महिला और उसके माता-पिता को गिरफ्तार किया गया है। जापान पुलिस ने यह जानकारी दी। जापान के उत्तरी मुख्य द्वीप पर होक्काइडो पुलिस ने मंगलवार को बताया कि उन्होंने रूना तमुरा (29) और उसके मनोचिकित्सक पिता ओसामु तमुरा (59) को एक जुलाई से दो जुलाई की मध्य रात्रि में एक होटल के कमरे में पीड़ित का सिर काटने और उसके कटे हुए सिर को दूसरी जगह ले जाने की साजिश रचने के संदेह में एक दिन पहले गिरफ्तार किया था। पीड़ित हितोशी उरा (62) का सिर तब से गायब है। पुलिस ने मंगलवार को संदिग्धों के घर पर छापा मारा और मुख्य संदिग्ध की मां हिरोको तमुरा (60) जो कि अंशकालिक कामगार है को अपने परिवार के साथ सिर को घर पर ले जाके रखने की साजिश रचने के संदेह में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह नहीं बताया कि बेटी और पिता ने कैसे साथ मिलकर इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस अभी भी उनके इस कृत्य के मकसद की जांच कर रही है और उसने यह नहीं बताया कि महिला और पीड़ित एक-दूसरे को जानते थे या नहीं। पुलिस ने यह संज्ञान भी लिया कि सम्भावना है कि रूना एक मानसिक रोगी है। मीडिया रिपोर्टों में पड़ोसियों के हवाले से कहा गया है कि उसे स्कूल जाने में कठिनाई होती थी और वह बचपन से ही एकांतप्रिय थी।

अबू धाबी में पाया गया नया एमईआरएस कोरोना वायरस क्या है? डब्ल्यूएचओ ने इस पर क्या कहा

कोरोना वायरस ने इंसानी जीवन में दस्तक दी और दुनियाभर में लाखों जानें ली। पूरी दुनिया लंबे वक्त तक इसकी चपेट में रही। लेकिन कुछ महीने पहले ही विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से इसे वैश्विक महामारी की लिस्ट से बाहर कर दिया है। लेकिन अब संभावित घातक मिडिल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम कोरोना वायरस (MERS-CoV) का एक मामला दर्ज किया गया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, MERS या मिडिल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम कोरोना वायरस का एक नया मामला सामने आया है। मीडिया ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का हवाला देते हुए ओमान की सीमा पर अबू धाबी के एक शहर में 28 वर्षीय व्यक्ति को एमईआरएस के लिए सकारात्मक परीक्षण किया है। उस व्यक्ति को पिछले महीने एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उस व्यक्ति के संपर्क में रहने वाले कुल 108 लोगों की भी जाँच की गई थी। अभी तक कोई भी द्वितीयक संक्रमण सामने नहीं आया है। मरीज के बारे में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। हालांकि स्थिति के बारे में कोई विशेष विवरण सामने नहीं आया है, लेकिन डब्ल्यूएचओ ने कहा है, जैसा कि रिपोर्टों में उद्धृत किया गया है, ऐसे कोई संकेत नहीं थे कि वह आदमी ड्रोमेडरी ऊंटों के संपर्क में आया था।

अल्जीरिया की जंगल में लगी आग, 10 सैनिकों सहित 25 लोगों की मौत

अल्जीयर्स। अल्जीरिया के जंगलों में लगी आग में 25 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में आग बुझाने की कोशिश कर रहे 10 सैनिक भी शामिल हैं, जो तेज हवाओं और प्रचंड गर्मी के बीच आग की लपटों को नियंत्रित करने में जुटे थे। आंतरिक मंत्रालय ने सोमवार को कोई विस्तृत जानकारी दिए बगैर कहा कि कम से कम 1,500 लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया है। आंतरिक मंत्रालय ने जंगल में आग लगने से 15 लोगों की मौत होने और 24 अन्य के घायल होने की पुष्टि की। बाद में रक्षा मंत्रालय ने घोषणा की कि राजधानी अल्जीयर्स के बेनी कसीला पूर्व के रिजॉर्ट क्षेत्र में आग बुझाने के प्रयास में जुटे 10 सैनिकों की मौत हो गई और 25 लोग घायल हो गए। यह तुरंत स्पष्ट नहीं है कि लोगों की मौत कब हुई, लेकिन जंगलों में आग कई दिनों से लगी हुई है। आंतरिक मंत्रालय ने बताया कि तेज हवाओं से जंगल में आग भड़क उठी और इसकी लपटें वन क्षेत्र से आगे खेतों की ओर फैलने लगीं। मंत्रालय के मुताबिक, लपटें 16 क्षेत्रों में फैल गईं, जिससे उत्तर अफ्रीकी देश में आग लगने की 97 घटनाएं हुईं।

यूनान में रोमानिया का एक फायरफाइटर जंगल की आग से बचे एक खरगोश को पानी पिलाते हुए।

सभी पाकिस्तानी भीख का कटोरा फेंक दे और आत्मनिर्भर बने : सेना प्रमुख

इस्लामाबाद । पाकिस्तान इनदिनों कंगाली की हालात से गुजर रहा हैं। हर बार विदेशी ऋण की आस में बैठे पाकिस्तान पर उसके ही सेना प्रमुख भड़क गए हैं। पाकिस्तानी सेना प्रमुख सैयद असीम मुनीर ने कहा कि देश को विदेशी ऋण पर निर्भरता को कम करना चाहिए। उन्होंने देश को आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकताओं को रेखांकित कर कहा कि पाकिस्तान एक गौरवान्वित, उत्साही और प्रतिभाशाली राष्ट्र है। सभी देशवासियों को भीख का कटोरा फेंक देना चाहिए। सेना प्रमुख ने खानेवाल मॉडल कृषि फार्म के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर कहा कि पाकिस्तान के पास सभी मूलभूत सुविधा मौजूद है। सेना प्रमुख ने कहा कि अल्लाह सर्वशक्तिमान ने पाकिस्तान को सभी आशीर्वादों से नवाजा है और दुनिया की कोई भी ताकत देश की प्रगति को रोक नहीं सकती है। जनरल मुनीर ने कहा कि देश मां की तरह होता है और लोगों और देश के बीच का रिश्ता प्यार और सम्मान का होता है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा और अर्थव्यवस्था एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और एक-दूसरे के लिए अपरिहार्य हैं। सेना प्रमुख मुनीर ने कहा कि पाकिस्तानी सेना को अपने राष्ट्र की सेवा करने पर गर्व है, उन्होंने कहा कि सेना को अपनी ताकत लोगों से मिलती है। जनरल मुनीर ने वादा किया कि जब तक पाकिस्तान मौजूदा संकट से बाहर नहीं निकल जाता, सेना आराम से नहीं बैठेगी।

भारत के पड़ोस में छिड़ा युद्ध?

पाक ने अफगानिस्तान के सीमावर्ती प्रांत पर किया हमला, तालिबान ने की जवाबी कार्रवाई

इस्लामाबाद।(एजेंसी)। तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) द्वारा आतंकवादी हमलों को लेकर इस्लामाबाद और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर द्वारा काबुल को धमकी दिए जाने के कुछ दिनों बाद पाकिस्तानी बलों ने अफगानिस्तान के पक्तिका प्रांत पर गोलाबारी की। रिपोर्टों में कहा गया है कि पाकिस्तानी बलों ने अफगान सीमा पर कथित टीटीपी ठिकानों पर गोलाबारी की जिसके बाद तालिबान बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। अफगानिस्तान में टीटीपी की मौजूदगी को लेकर दोनों पक्षों के बीच तनाव के बीच यह झड़प हुई। कथित झड़प पर काबुल या इस्लामाबाद की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

पाकिस्तान ने इस सप्ताह अपने विशेष दूत को तीन दिवसीय यात्रा पर काबुल भेजा ताकि यह स्पष्ट संदेश दिया जा सके कि अंतरिम सरकार को टीटीपी के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करनी होगी। लेकिन अफ़गान तालिबान ने कई बैठकों के बाद उनसे कहा कि पाकिस्तान को बल प्रयोग के बजाय शांति का रास्ता अपनाना चाहिए। राजदूत आसिफ दुर्रानी ने अपनी यात्रा के दौरान अफगानिस्तान के कार्यवाहक

उप प्रधान मंत्री मावलवी अब्दुल कबीर, कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी अमीर खान मुत्ताकी और अन्य अधिकारियों से मुलाकात की।

बंद दरवाजे की बातचीत से परिचित आधिकारिक सूत्रों ने द एक्सप्रेस ट्रिब्यून को बताया कि अफगान तालिबान नेतृत्व को स्पष्ट शब्दों में बताया गया था कि टीटीपी के मुकाबले पाकिस्तान का धैर्य कमजोर हो रहा है। विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलूच ने अपनी साप्ताहिक समाचार ब्रीफिंग में बताया कि आतंकवाद का मुद्दा, जैसा कि मैंने पहले भी कहा है, पिछली ब्रीफिंग में भी पाकिस्तान के लिए गंभीर चिंता का मुद्दा है। पाकिस्तान ने इस मुद्दे को अफगान अधिकारियों के साथ कई मौकों पर और पाकिस्तान और अफगान अंतरिम अधिकारियों के बीच होने वाली हर महत्वपूर्ण बातचीत में उठाया है।

25 से 29 जुलाई तक भारत की यात्रा पर आएंगे अमेरिका के विशेष दूत केरी, जलवायु परिवर्तन पर करेंगे चर्चा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि जलवायु के लिए अमेरिका के विशेष दूत जॉन केरी 25 से 29 जुलाई तक नई दिल्ली और चेन्नई का दौरा करेंगे। यह यात्रा 19 जुलाई को केरी की चीन यात्रा के बाद हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप कोई नया समझौता नहीं हुआ। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एक भाषण में कहा था कि चीन अपनी गति से कार्बन डाइऑक्साइड प्रदूषण को चरणबद्ध तरीके से खत्म करेगा।

अपनी चीन यात्रा पर बोलते हुए केरी ने कहा कि हमारे बीच बहुत स्पष्ट बातचीत हुई लेकिन हम यहां नई जमीन हासिल करने आए हैं। उन्होंने कहा कि यह स्पष्ट है कि हमें थोड़ा और काम करने की जरूरत है। दिल्ली में केरी वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों से मिलेंगे और चेन्नई में वह जी20 पर्यावरण और जलवायु स्थिरता मंत्रियों (ईसीएसएम) की बैठक में भाग लेंगे।

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि जलवायु के लिए विशेष राष्ट्रपति दूत जॉन केरी जलवायु और स्वच्छ ऊर्जा पर साझा उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए 25-29 जुलाई को नई दिल्ली और चेन्नई, भारत की यात्रा करेंगे, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा और भंडारण समाधानों में निवेश के लिए एक मंच बनाने, शून्य-उत्सर्जन बसों की तैनाती का समर्थन करने और स्वच्छ ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने के पारस्परिक प्रयास शामिल हैं। पिछली पर्यावरण और जलवायु स्थिरता कार्य समूह (ईसीएसडब्ल्यूजी) की बैठक, जो 21 मई को हुई थी, वह भी भारत की जी20 अध्यक्षता के तहत थी।

पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी का आदेश दिया

इस्लामाबाद। (एजेंसी)। पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग ने सोमवार कोइस्लामाबाद पुलिस को निर्देश दिया कि वह पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को गिरफ्तार कर मंगलवार को उसके समक्ष पेश करे। निर्वाचन आयोग ने अपनी अवमानना से जुड़े एक मामले में यह आदेश दिया है। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) सुनवाई से खान की लगातार अनुपस्थिति से नाराज था और उसने अवमानना मामले में पेश नहीं होने के लिए पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ प्रमुख को गिरफ्तार करने का इस्लामाबाद के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) को निर्देश दिया। ईसीपी ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयोग के खिलाफ कथित तौर पर ''अमर्यादित'' का इस्तेमाल करने के लिए पिछले साल खान (70) और उनकी पार्टी के पूर्व नेताओं असद उमर और फवाद चौधरी के खिलाफ अवमानना कार्यवाही शुरू की थी।

ईसीपी के सदस्य निसार दुर्रानी की अध्यक्षता वाली चार सदस्यीय पीठ ने 11 जुलाई को पिछली सुनवाई में उमर को राहत देने के साथ-साथ खान और चौधरी के लिए गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया था। पीठ ने सुनवाई के लिए 25 जुलाई की तारीख निर्धारित की थी। नवीनतम आदेश में ईसीपी ने कहा कि 16 जनवरी और दो मार्च को खान के लिए नोटिस और जमानती वारंट जारी किए जाने के बाद भी वह ईसीपी के सामने पेश होने में विफल रहे थे।

चीन के अंतरिक्ष प्रोग्राम को लेकर अमेरिका के हाथ पांव फूले

वॉशिंगटन (एजेंसी)। चीन अमेरिका की प्रतिद्वंदता किसी से छिपी नहीं है। पिछले कुछ समय से अमेरिका का चीन को खतरे के तौर पर देखना ज्यादा बढ़ गया है। अमेरिकी विशेषज्ञ भी चीन की अमेरिका से आगे निकलने की कोशिशों की गंभीरता को चिंता का विषय मान रहे हैं। हाल में चीन ने जिस तेजी से अंतरिक्ष के क्षेत्र में प्रयास किए हैं अमेरिकी विशेषज्ञों की चिंता उससे कहीं आगे की है। चीन अंतरिक्ष के क्षेत्र की तरक्की को अमेरिकी चीन की सैन्य विस्तारवाद रवैये से जोड़ कर देख रहे हैं और उनके पास इस तरह के कई संकेत भी हैं, जो इशारा करता है कि अमेरिका को इस दिशा में सचेत होने की जरूरत है। हाल में डेविड इग्नेटियस ने अपने लेख में चीन की बढ़ती गतिविधियों के कारण पैदा होने वाली इन्हीं चिंताओं को रेखांकित किया है। 2007 में चीन ने पहला एंटीसैटेलाइट हथियार का परीक्षण किया था। उसके बाद से उसने इसतरह के सैटेलाइट की परीक्षण किया है जो दूसरे सैटेलाइट की खींच कर कक्षा से दूर ले जा सकते हैं।

इतना ही नहीं चीन ने इसतरह के स्पेसप्लेन भी बनाए हैं, जो कक्षा में वुस्तओं को पकड़ सकते हैं। अंतरिक्ष के निचले स्तर पर हवा में चीनी जासूसी गुब्बारे भी उड़ने लगे हैं। कुल मिलाकर चीन अंतरिक्ष की क्षमताओं का दोहन कर नियंत्रित करना चाहता है।

वहीं अमेरिका चीन की महत्वाकांक्षाओं को पहचानने में धीमा ही रहा। अपोलो अभियान के खत्म होने और फिर स्पेस शटल के रिटायर होने के बाद अमेरिका की रुचि खत्म होती दिखने लगी। लेकिन अमेरिका ने चीनी प्रयासों की प्रतिक्रिया देर से दी।

अमेरिका में पिछली सरकार में डोनाल्ट ट्रम्प ने अंतरिक्ष के सैन्य पहलू को ध्यान में रखते हुए स्पेस फोर्स नाम की सैन्य शाखा खोली। इग्नेटियस ने एस्पियन सिक्यूरिट फोरम पर चार विशेषज्ञों, यूएस स्पेस कमांड के प्रमुख जन. जेम्स एतच डिकिन्सन, स्पेस पॉलिसी के लिए असिस्टेंट सेक्रेटरी ऑफ डिफेंस एफ प्लम्ब, ऑफिस ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी की असिस्टेंट डायरेक्टर एजीन उजो ओकोरो, और रॉकेट बनाने कंपनी यूनाइटेड लांच एलाएंस के चीफ एक्जीक्यूटिव साल्वाटोर टोरी ब्रूनो, सही ने इस मुद्दे पर माना की चीन एक तेजी से बढ़ता खतरा है। चीन के वर्चस्व के प्रयासों के जवाब सरकारी और निजी व्यवसायिक सैटेलाइट का विकसित होता समूह होगा जो पृथ्वी की निचली कक्षा में निगरानी नेटवर्क का विकास कर रहे हैं। प्लम्ब बातते हैं कि अमेरिकी रक्षा विभाग पैंटागन अंतरिक्ष के क्षेत्र में सक्रिय 130 से अधिक कंपनियों से साझेदारी कर रहा है। चीन इसकी बराबरी नहीं कर सकता है। लेकिन इस विषय पर ज्यादा जानकारी नहीं उपलब्ध नहीं है कि क्योंकि सरकार के मुताबिक क्लासिफाइड स्तर की जानकारी है। इग्नेटियस याद दिलाते हुए लिखते हैं कि उन्हें उम्मीद है कि अधिकारी 2021 में तत्कालीन ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के वाइस चेयरमैन जन जॉन हेटन की सलाह को नहीं भूले, जिसमें उन्होंने कहा कि प्रतिरक्षा (डेटेरेंस) क्लासिफाइड संसार में नहीं होती है। फिर भी सूत्रों का कहना हैं कि अमेरिका इस मामले में हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठा है।

पैंटागन के लीक दस्तावेजों से पता चलता है कि चीन अंतरिक्ष में एक तरह के साइबर वॉर की तैयारी कर रहा है जिससे वह अंतरिक्ष में सैटेलाइट को जाम कर सकता है अक्षम कर सकता है। चीन साइबर हमले का उपयोग कर सैटेलाइट को नियंत्रित कर सकता है जिससे वे संचार, हथियारों, इंटेलिजेंस, निगरानी तंत्रों को निष्प्रभावी तक कर सकता है।

कोपेनहेगेन में जलाई गई कुरान.....मुस्लिम देशों का गुस्सा सातवें आसमान पर

-कई मुस्लिम देशों ने घटना की निंदा की

कोपेनहेगन (एजेंसी)। कोपेनहेगेन में फिर इराक के दूतावास के बाहर कुरान को जलाकर उसका अपमान किया गया है। नए घटनाक्रम के बाद से ही दुनिया भर के मुसलमानों में नाराजगी है। यह घटनाक्रम इराक और कोपेनहेगन के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और खराब कर सकता है। इराक ने घटना की निंदा कर कहा है कि बगदाद में दूतावास के डेनमार्क के कर्मचारियों को विरोध प्रदर्शन के बाद देश छोड़कर जाना पड़ गया था। जबकि डेनमार्क ने इससे इनकार कर दिया है।

डेनमार्क में इराक के दूतावास के बाहर कुरान जलाने की घटना को अंजाम देने वाले दोनों प्रदर्शनकारी डेनिश पैट्रियट्स ग्रुप से थे। इस ग्रुप की तरफ से ही 23 जुलाई को भी इसी तरह की घटना को अंजाम दिया गया था। इन?होंने फेसबुक पर इन घटनाओं को लाइव-स्ट्रीम किया था। दोनों देशों में आगजनी को लेकर कई हजार इराकियों ने शनिवार को बगदाद में प्रदर्शन किया। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कहा कि पवित्र कुरान का अपमान करने वाले लोगों को सबसे कड़ी सजा मिलनी चाहिए। यूरोप के देशों डेनमार्क और स्वीडन में अभिव्यक्ति की आजादी के नियमों के तहत पवित्र कुरान को जलाने की मंजूरी दी गई है। इसके बाद ईरान और इराक में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। इराक में प्रदर्शनकारियों ने पिछले हफ्ते बगदाद में स्वीडन के दूतावास को आग लगा दी थी।

मुसलमान, कुरान को ईश?वर का वचन मानते हैं और यह उनके लिए बहुत पवित्र है। अगर कोई भी कुरान को जानबूझकर नुकसान पहुंचाता है या फिर इसके प्रति अनादर दिखाता है, तब इस बेहद अपमानजनक समझा जाता है। कोपेनहेगन में नई घटना की वजह से सना में हजारों प्रदर्शनकारियों ने एक रैली निकाली। रैली में शामिल लोगों ने इस तरह के कृत्यों की अनुमति देने के लिए डेनमार्क और स्वीडन दोनों पर गुस्सा व्यक्त किया। तुर्की ने इस घटना को

कुरान पर घृणित हमला कहा है। वहीं, अल्जीरिया के विदेश मंत्रालय ने कृत्यों की निंदा करने के लिए डेनिश राजदूत और स्वीडिश के विदेश मामलों के प्रभारी को बुलाया।

एक ट्वीट में, डेनमार्क के विदेश मंत्रालय ने कहा- डेनमार्क आज कुरान को जलाने की निंदा करता है। ये उत्तेजक और शर्मनाक कृत्य डेनिश सरकार के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं। सभी से संयम की अपील है। हिंसा का जवाब हिंसा से कभी भी नहीं देना चाहिए।

भू-माफिया की नजर शासकीय पट्टे से प्राप्त भूमि या फिर शासकीय भूमि पर...

आखिर शासन से प्राप्त पट्टे की जमीन को बिना कलेक्टर की अनुमति कैसे बेचा गया?

- शासन से प्राप्त की 4 एकड़ भूमि...खुद नहीं हो पाया कभी उस जमीन पर काबिज... बिना अनुमति शासन से प्राप्त जमीन बिक भी गई...
- पटवारी ने शासन से प्राप्त भूमि होने की जानकारी छुपाई बिना कलेक्टर अनुमति भूमि को शासकीय कर्मचारियों को दिया बिकवा...
- शासन से भूमिहीन व्यक्ति को कृषि के लिए मिला 4 एकड़ भूमि,खुद उस जमीन पर नहीं हुआ काबिज,आज भी जमीन वन विभाग के कब्जे में
- भू-माफिया के दलाल बने पटवारी ने शासन से प्राप्त भूमि की जानकारी छुपा दी चौहद्दी...जमीन हो गई रजिस्ट्री
- जमीन खरीदने वाले भी निकले शासकीय कर्मचारी व भाजपा के कद्दावर नेता

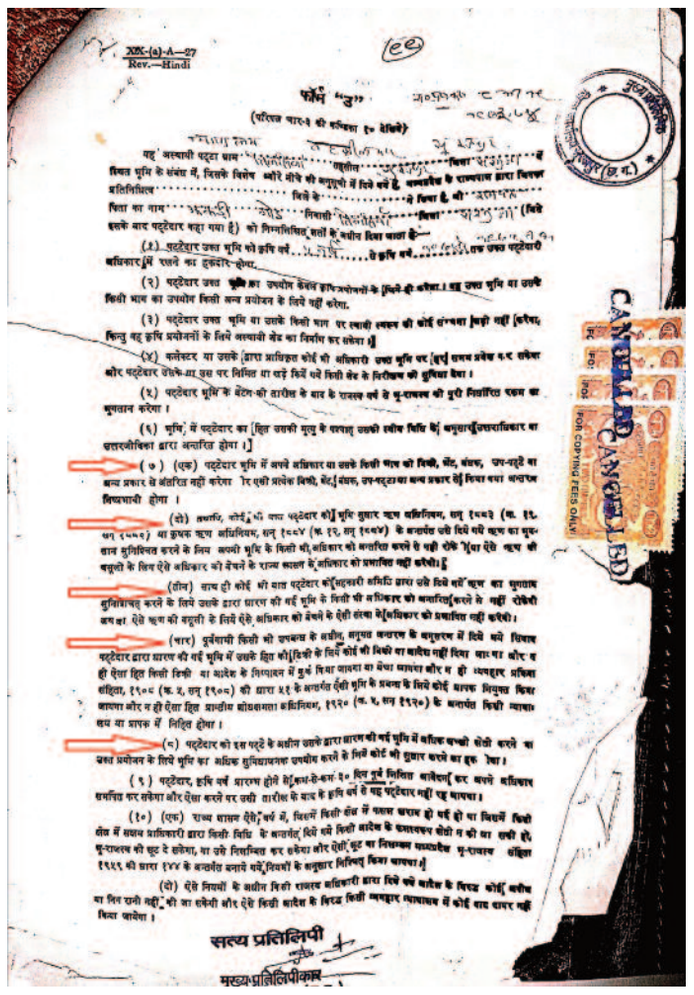

-विशेष संवाददाता-

अम्बिकापुर/सूरजपुर,25जुलाई 2023 (घटती-घटना)। समय-समय पर सरकारें कई ऐसे काम करती हैं जिससे लोगों को आजीविका मिल सके, ऐसा ही सरकार की योजना थी जो भूमिहीन व्यक्ति है उसे आजीविका के लिए कृषि कार्य हेतु शासकीय भूमि का पट्टा दिया जाता था, ताकि वह कृषि कार्य कर अपनी आजीविका चला सकें, पर शासन की योजना को भी पलीता लगाने से लोग बाज नहीं आ रहे, कुछ ऐसा ही मामला सूरजपुर जिले का आया है जहां शासन ने भूमिहीन व्यक्ति को 4 एकड़ जमीन कृषि परपस से दी थी, जिसका पट्टा शासन ने भूमिहीन व्यक्ति के नाम किया था, जिस उद्देश्य शासन ने उसे पट्टा प्राप्त किया था वह उद्देश्य कभी पूरा हुआ नहीं और जमीन बिना कलेक्टर के आदेश के बिक भी गई, बेचने वाले में पटवारी का योगदान ज्यादा बताया जा रहा है और खरीदने वाला एक सरकारी कर्मचारी है तो दूसरा भाजपा का कद्दावर नेता। सवाल तो यह उठता है कि आखिर शासन से प्राप्त पट्टे की जमीन को बिना कलेक्टर की अनुमति कैसे बेचा गया? और यह जानकारी किसने छुपाई यह किसी से छुपा नहीं है आरोप यह है कि पटवारी ने शासन से प्राप्त जमीन होने की जानकारी छुपाकर चौहद्दी काटी और जमीन बिक्री हो गई।

मिली जानकारी के अनुसार 1972-74 में शासन द्वारा भूमिहीन व्यक्ति रामपत पिता भकड़ी गोड़ निवासी सूरजपुर तिलसिवां को उक्त भूमि कृषि के लिए दिया गया, पर भूमिहीन व्यक्ति उस भूमि पर ना तो कभी कृषि कार्य किया और ना ही उस जमीन पर कब्जा कर पाया, पट्टे की जमीन वन विभाग के कब्जे में थी और आज तक वन विभाग का कब्जा उस पर बरकरार है, पर यह जमीन भू माफिया के दलाल बने पटवारी के द्वारा जानकारी छुपाकर बेचीं गई,जबकि नियम है कि शासकीय पट्टे से प्राप्त भूमि को बेचा नहीं जा सकता है, इसके लिए कलेक्टर की अनुमति लेना अनिवार्य होता है पर यह भूमि बिना अनुमति के जानकारी छुपाकर बेच दी गई, खरीदने वाला भी शासकीय कर्मचारी व भाजपा के कद्दावर नेता निकले। जबकि शासन ने जिस समय पट्टा दिया था उस समय पट्टे में सारे नियम व शर्तों का उल्लेख किया गया था, फिर भी उसके बावजूद बिना उनके नियम व शर्तों को मानते हुए वह भूमि बेचीं गई, जो कहीं न कहीं नियम विरुद्ध तरीके से बिका है, जिसे लेकर मामला उजागर होने के बाद मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है, पर यह मामला जांच का विषय बना हुआ है और यदि इस मामले की जांच हो गई तो संबंधित पटवारी तहसीलदार पर गाज गिर सकती है। देखने वाली बात यह होगी कि आखिर यह जांच कब होगी और कब कार्यवाही होगी इसका इंतजार होगा।

उक्त भूमि पर वर्तमान में विभाग का कब्जा है

सूरजपुर के तिलसिवां बाईपास रोड पर स्थित शासकीय भूमि जिसका खसरा क्रमांक 2/6, 2/10, 2/32, 2/33, 2/34, व 5967/4 यह 6 खंड में शासकीय भूमि भूमिहीन व्यक्ति रामपत को शासन द्वारा लगभग 4 एकड़ भूमि कृषि कार्य के लिए दी गई, जिस पर जानकारी के अनुसार कोई भी कृषि कार्य नहीं हुआ पर पट्टे में उनका नाम इन भूमि पर दर्ज हो गया, पट्टे से पहले यह भूमि बड़े झाड़ जंगल मद की भूमि थी, जो वन विभाग के कब्जे में थी और वन विभाग का कब्जा आज भी है वन विभाग उसे घेरकर आज भी रखा है, शासन से प्राप्त भूमि तकरीबन 2 एकड़ भूमि 2023 में नियम विरुद्ध तरीके से जानकारी छुपा कर बेचने की बात सामने आ रही है। इस भूमि के विक्रय में संबंधित पटवारी का बहुत बड़ा योगदान है, जिसने नियम विरुद्ध तरीके से इस जमीन को बिकवाया और राजस्व के नियमों का भी उल्लंघन करवाया, जबकि वह भूमि शासकीय पट्टे से प्राप्त है यह जानकारी उसे पहले से थी।

क्या खरीदने वाले कर पाएंगे कब्जा?

नियम विरुद्ध तरीके से शासकीय कर्मचारी और भाजपा के कद्दावर नेता ने भूमि तो खरीद ली और वह भूमि आज भी वन विभाग के कब्जे में और वन विभाग उस पर फेंसिंग वायर से घेरा किए हुए हैं, अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि एक तो जमीन नियम विरुद्ध तरीके से बिक गई और क्या खरीदने वाले इस भूमि पर कब्जा कर पाएंगे? क्योंकि पहले से ही इस भूमि पर वन विभाग का कब्जा है।

नियम विरुद्ध तरीके से शासकीय पट्टे की जमीन बेचने वाले पर होगी कार्रवाई?

नियम विरुद्ध तरीके से शासकीय पट्टे से प्राप्त भूमि को बेच तो दिया गया, जबकि शासन ने जो पट्टा दिया था उसमें सारे नियम व शर्तें साफ-साफ लिखे हुए थे, जिसमें लिखा हुआ था कि भूमि कृषि कार्य के लिए दी जा रही है, भूमि को पट्टेदार अपने अधिकार या उसके किसी भाग्य को बिक्री, भेंट, बंधक, उप पट्टा या अन्य प्रकार से आंतरिक नहीं करेगा, प्रत्येक बिक्री, भेंट, बंधक व उपपट्टा सहित अन्य प्रकार से किया गया अनंतर निष्प्रभावी होगा, साफ-साफ पट्टे में यह बात अंकित होने के बावजूद इस जमीन को बेचना अपराध की श्रेणी में आता है, क्या ऐसे अपराधिक मामले में कलेक्टर सूरजपुर कार्यवाही करेंगे?

भू-माफिया की नजर शासकीय पट्टे से प्राप्त भूमि या फिर शासकीय भूमि पर

भू माफिया का मनोबल इतना बड़ा हुआ है कि वह राजस्व अमले के कर्मचारियों को पार्टनर बनाकर शासकीय भूमि को हड़पने में लगे हुए या फिर शासन की योजना के तहत अजीविका के लिए मिली शासकीय पट्टे पर भूमि को भी बेचने से बाज नहीं आ रहे कहीं ना कहीं गरीबों को बहला-फुसलाकर उनकी जमीन बेचीं दी जा रही है और उन्हें अपराधी बना दिया जा रहा है।

शासकीय पट्टे से प्राप्त इस भूमि की हुई बिक्री

नियम विरुद्ध तरीके से खसरा नंबर-2/34 से 0.324, हेक्टेयर खसरा नंबर-2/32 से 0.101 हेक्टेयर, खसरा नंबर 2/6 से 0.092 हेक्टेयर, खसरा नंबर 2/10 से 0.193 हेक्टेयर भूमि बेची गई और यह भूमि पट्टेदार को गुमराह कर कर लोभ वा लालच देकर बिकवाया जा रहा है, क्योंकि शासकीय पट्टेदार को इतनी जानकारी नहीं थी और वह नियमों को ज्यादा नहीं जानता था, थोड़ा कम पढ़ा लिखा होने की वजह से शासकीय अमले ही उस भूमि में दलाल बन कर उस भूमि को बिकवा कर खुद लाखों रुपए अंदर कर लिए फजीहत तो उस पट्टेदार की होगी जिसकी वह जमीन थी।

सूरजपुर बाईपास बनने से जमीन भू-माफिया के नजर में आई

वह भूमि इसलिए भू माफिया के नजर में आ गई क्योंकि वह अब बाईपास के किनारे पढ़ रहा है, अब वह जमीन बेशकीमती हो गई है जिस वजह से भू-माफिया की नजर उस पर पड़ी और उससे बेच कर लाखों रुपए कमा लिया, वह भी नियमों को दरकिनार कर, यदि उस जमीन के किनारे से बाईपास ना बना होता तो शायद भूमाफिया की नजर उस जमीन पर ना पड़ी होती, बाईपास सड़क बनने से वह जमीन बेशकीमती हो गई और भू-माफिया के आंखों में चुभने लगे, लंबे समय से उसे बेचने की तैयारी चल रही थी, आखिर वर्ष 2023 में बेचने में सफलता मिली गई, अब अंदर खाने की बात आ रही है कि नामांतरण भी हो रहा है आदेश हो चुका है बस कुछ ही दिनों में ऑनलाइन देखने भी लगेगा, मामला काफी गभीर है इस वजह से उससे ऑनलाइन नहीं किया जा रहा है।

लखनपुर शासकीय कन्या विद्यालय में मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

अतिथि के हाथों 50 छात्राओं को कापी पुस्तक सहित निशुल्क साइकिल का वितरण

- संवाददाता-

लखनपुर,25 जुलाई 2023 (घटती-घटना)।

लखनपुर शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय में शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन 25 जुलाई दिन मंगलवार की सुबह 11ः00 बजे किया गया था।इस कार्यक्रम में अतिथियों को हाथो कक्षा नवमी के 50 छात्राओं को कापी पुस्तक सहित सरस्वती साइकिल योजना अंतर्गत निशुल्क साइकिल का वितरण किया गया है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक शाला प्रवेशोत्सव व साइकिल वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में जनपद उपाध्यक्ष व शिक्षा स्थाई समिति अध्यक्ष अमित सिंहदेव ,विशिष्ट अतिथि पार्षद अशफाक खान, मुन्ना पांडे ,प्रकाश ठाकुर सहित स्कूल के प्राचार्य व शिक्षक मौजूद रहे। अतिथियों के द्वारा माता सरस्वती

के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्प अर्पित करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जहां विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं के द्वारा अतिथियों को बेच लगा पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। शिक्षिका व छात्राओं के द्वारा राजकीय गीत प्रस्तुत किया गया। तत्पश्चात अतिथि अमित सिंह के द्वारा उपस्थित छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार कि मंशा है की बच्चे पढ़ाई से वंचित ना रहे सरकार के द्वारा स्कूली बच्चों को कापी पुस्तक सहित सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत साइकिल का वितरण किया जा रहा है। जिससे वह पढ़ कर अपना और छत्तीसगढ़ राज्य का भविष्य गढ़े छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की। अतिथि अमित सिंहदेव अशफाक खान व मुन्ना पांडे के द्वारा छात्राओं को निशुल्क कॉपी किताब का वितरण कर माथे पर तिलक लगा मुंह मीठा करा छात्राओं को शाला प्रवेश कराया गया तत्पश्चात सरस्वती सायकल योजना अंतर्गत 50 छात्राओं को निशुल्क साइकिल का वितरण किया गया इस दौरान विद्यालय के प्राचार्य शशिधर पांडे, व्याख्याता आरके विश्वकर्मा, रेवती रमन सिंह, श्रीमती रंजना श्रीवास्तव, श्रीमती रीना सिन्हा, वंदना वर्मा, नीलम खेस ,अनुराधा बखला ,रजनी राजवाड़े ,रश्मि गुप्ता ,अतुल तिर्की, आदित्य कुमार साहू मौजूद रहे।

मंत्री मोहन मरकाम की अध्यक्षता में हुई संभाग स्तरीय बैठक

- आश्रम-छात्रावास में आवश्यक सुविधाएं, देवगुड़ी संरक्षण, आदर्श ग्राम योजना सहित शासन की प्राथमिकता के कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित हो...

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,25 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक विकास मंत्री श्री मोहन मरकाम की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष सरगुजा में संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में श्री मरकाम ने विभागीय योजनाओं की प्रगति की जानकारी लेते हुए समीक्षा की और जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में छत्तीसगढ़ राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष भानुप्रताप सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष मधु सिंह, आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास रायपुर के सचिव डीडी सिंह, आयुक्त शम्मी आबिदी, आदिम जाति कल्याण विभाग के अपर संचालक ए.के. गौर तथा आर.एस. भोई, उपायुक्त प्रज्ञान सेठ एवं सरगुजा संभाग के सभी जिलों के सहायक आयुक्त, जनपद पंचायत परियोजना प्रशासक एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में मंत्री श्री मरकाम ने कहा कि आदिवासी विकास विभाग का उद्देश्य आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग तथा अल्पसंख्यक वर्ग के कल्याण के लिए काम करना है। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में इन वर्गों के प्रगति के लिए बेहतर काम प्रदेश में किया जा रहा है। प्राथमिकता से आश्रम एवं छात्रावास के आवश्यक संधारण एवं विभिन्न निर्माण कार्यों को पूर्ण कराएं। इसमें कोताही न हो। लगातार आश्रम एवं छात्रावासों का निरीक्षण करें। छात्रावास अधीक्षक एवं अधीक्षिका बिना पूर्व सूचना के अनुपस्थित ना रहें। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लोगों तक शत प्रतिशत पहुंचाना सुनिश्चित करें। शासन द्वारा श्रद्धा और आस्था के केंद्र देवगुड़ी के संरक्षण की अभिनव पहल की गई है। इसके लिए विभिन्न निर्माण कार्य शासन की ओर से स्वीकृत किए गए हैं। इन्हें समय सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें।उन्होंने आश्रम-छात्रावास के मरम्मत के कार्य की प्रगति एवं निरीक्षण की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा एफआरए आदर्श ग्राम घोषित किया जाना है, इसकी तैयारी त्रुटिरहित रहे। उन्होंने पात्र हितग्राहियों को एफआरए पट्टा और वृहद स्तर पर ऋण पुस्तिका के वितरण पर संबंधितों को निर्देशित किया। उन्होंने संभाग में संचालित एकलव्य एवं प्रयास आवासीय विद्यालय में बच्चों की सुविधा के लिए समस्त सुविधाएं सुनिश्चित करते हुए सतत निगरानी के निर्देश दिए।

बैठक में मंत्री श्री मरकाम के मार्गदर्शन में आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास रायपुर के सचिव डीडी सिंह एवं आयुक्त शम्मी आबिदी के द्वारा विभागीय योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में छात्रावास व आश्रम भवन के अनुरक्षण एवं मरम्मत, भवनों के निर्माण कार्यों की प्रगति, अधिकारियों द्वारा आश्रम छात्रावास निरीक्षण, वनाधिकार पत्रक वितरण, ऋण पुस्तिका वितरण, एफआरए आदर्श ग्राम, एकलव्य एवं प्रयास आवासीय विद्यालय के संचालन, छात्रवृति, जाति प्रमाण पत्र, आधार सीडिंग, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, देवगुड़ी संरक्षण, सहित विशेष रूप से कमजोर जनजाति अभिकरण एवं प्रकोष्ठ को केंद्रीय क्षेत्रीय योजना मद अंतर्गत प्रदत्त आबंटन तथा स्वीकृत कार्यों की समीक्षा की गई।

स्वास्थ्य विभाग में सर्प वेक्सिन की व्यवस्था हो:महेश प्रसाद

- संवाददाता-

मनेन्द्रगढ़,25 जुलाई 2023 (घटती-घटना)। भारतीय शक्ति चेतना पार्टी मनेंद्रगढ़ विधान सभा के प्रत्यासी महेश प्रसाद स्वास्थ्य विभाग को लेकर चिंता जाहिर करते हुए अपील किया सभी स्वास्थ्य विभाग में वेक्सिन हो आप को बता दे सर्प के काटने से छत्तीसगढ़ में सैकड़ों लोगों की मौत हो जाती है जब किसी पीड़ित मरीज को सर्प काटने पर स्वास्थ्य केंद्र ले जाया जाता है तो वेक्सिन न होने की वजह से उसे गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है अक्सर देखा गया है गांव में रात को सोते समय जमीन का सहारा लिया जाता है बरसात आते ही जमीन पर सोना मानो खतरे से भरा होता है लेकिन स्वास्थ्य विभाग को इसकी चिंता करनी चाहिए अगर चिंता होती तो कम से कम ग्रामीण क्षेत्र के सभी स्वास्थ्य केंद्र में सर्प का वेक्सिन होता आज़ादी को 75 वर्ष हो गये मगर देश का विकास तो छोड़ अच्छी स्वास्थ्य सुविधा नहीं दे पाए ये हमारा दुर्भाग्य है आज हमारे ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर बरसात के समय सर्प देखा जाता है और बच्चे ज्यादातर शिकार होते है चिरमिरी एसईसीएल हॉस्पिटल की बात करे तो इलाज के नाम पर केवल खाना पूर्ति का काम किया जाता है अधिकतर मरीजों को बाहर

का रास्ता दिखा दिया जाता है सवाल यह भी है इसे स्वास्थ्य विभाग द्वारा या कहे सरकार द्वारा नज़र अंदाज किया जाना पीड़ित को भारी पड़ता है अधिकतर देखा जाता है की ग्रामीण क्षेत्र के स्वास्थ्य विभाग में उपचार नहीं किया जाता तत्काल रिफर कर पिंड छोड़ा लिया जाता है पूछने पर साफ साफ कह दिया जाता है उपचार का साधन नही है बाहर ले जाओ जिससे पीड़ित दूसरे हॉस्पिटल पहुंचता ही नही अधिकतर देखा गया है मरीज रास्ते में ही दम तोड़ देता है अब सवाल आता है की इसका जिम्मेदार कौन है कही न कही सरकार इस ओर ध्यान नही दे रहा जो चिंता का विषय है जबकि हर स्वास्थ्य विभाग में छोटे से छोटे जगह में वेक्सिन की व्यवस्था होना जरूरी मैं स्वाथ्य विभाग से अपील करता हु की सर्प वेक्सिन की व्यवस्था जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रों में हो।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) सक्षम प्राधिकारी सूरजपुर,जिला-सूरजपुर,छ.ग.

रा.प्र.क्र.../अ-2/2022-23

ईश्तहार

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-तिलसिवां को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती हेमलता सिंह पति मनीलाल सिंह जाति गोड़ निवासी ग्राम सलका तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा उनके आधिपत्य एवं स्वत्व की भूमि ग्राम तिलसिवां प.ह.नं 7 रा.नि.मं. सूरजपुर तहसील-सूरजपुर, जिला-सूरजपुर छ0ग0 स्थित स्वयं के खाते की भूमि खसरा क्र. 174/7 रकबा 0.04 हे. में से रकबा 0.020 हे. कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन हेतु इस न्यायालय में आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 01/08/2023 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 24/07/2023 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील — **विशेष कर्त्तव्याधिकारी भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर**

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला सरगुजा (छ0ग0)

ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक विक्की आ0 स्व. कार्तिक निवासी सुभाषनगर थाना अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर ने कराया है कि आवेदक के (पिता) स्व. कार्तिक आ0 योगेन्द्र एक्का की दिनांक 25/11/2002 को स्थान निवास में हुई है। आवेदक के मृत्यु उपरांत मृत्यु का पंजीयन नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है।

उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/07/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी ।

सील — **तहसीलदार अम्बिकापुर**

सूचना

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदिका शैली तिर्की पुत्री सलिम तिर्की सत्र 2021-2022 में केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड 12 वीं की परीक्षा केन्द्रीय विद्यालय अम्बिकापुर से उत्तीर्ण की है। 12 वीं उत्तीर्ण होने के उपरांत आवेदिका विद्यालय से स्थानांतरण प्रमाण पत्र क्र0 339/2018/एस.नं.-33926 जो कि दिनांक 03/08/2022 को जारी हुई थी व चरित्र प्रमाण पत्र जो कि दिनांक 04/08/2022 को जारी हुईथी की मूल प्रति से प्राप्त हुई थी, जो कि वर्तमान में कहीं गुम हो गई है, और निकट भविष्य में मिलने की संभावना नही है। जिसकी गुम होने की सूचना आवेदिका द्वारा थाना गांधीनगर अम्बिकापुर में दी है।

शैली तिर्की
आत्मज सलिम तिकी
अम्बिकापुर

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर जिला बलरामपुर (छ0ग0)

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा एकल प्रणाली के तहत श्रेणी 'डी' एवं उपर के पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र 'ए' में पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है तथा नियत तिथि को उपस्थित निविदाकारों या उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोले जावेंगे।

1.समय सारिणी :-

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन देने की अंतिम तिथि - 07/08/2023 (अपरान्ह 5.30 बजे तक)
2. कोरे निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि - 08/08/2023 (अपरान्ह 5.30 बजे तक)
3. निविदा रजिस्टर्ड/स्पीड पोस्ट डाक से प्राप्त करने की अंतिम तिथि - 10/08/2023 (अपरान्ह 5.30 बजे तक)
4. निविदायें खोलने की तिथि/समय - 11/08/2023 (पूर्वान्ह 11.30 बजे से)

निविदा सूचना क्र. 42 दि. 14.07.2023 निविदा प्रपत्र का मूल्य 750.00 है।

सं.क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत	धरोहर की राशि
1	Repairing, Cutting & trading of old 32 mm G.I. pipe at (Central Store Balrampur) Sub&division Balrampur	4.86	5000
2	Repairing of Handpump Spare parts top head, water Chamber, handpump assembly etc. at (Central Store Balrampur) Sub&division Balrampur	4.96	5000

निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालीन अवधि में कार्यालय से निविदा प्रपत्र करने की अंतिम तिथि तक प्राप्त की जा सकती है।

जी.नं.-03577/1

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर

क्या डॉक्टर के लापरवाही से एक व्यक्ति की जान जाने वाले मामले में सौदेबाजी चल रही है?

डॉक्टर तिवारी की लापरवाही भूलकर एक वर्ग डॉक्टर तिवारी को गरीबों का मसीहा बता रहा

डॉक्टर तिवारी अपने निजी क्लीनिक में ज्यादा... शासकीय अस्पताल में कम ध्यान देते हैं...फिर भी डॉक्टर तिवारी को चाहने वाले उनके बचाव में सामने हैं

यदि डॉक्टर तिवारी नहीं आ पा रहे थे तो क्यों नहीं मना कर दिया था कि मैं नहीं आ पा रहा दूसरा डॉक्टर भेज रहा हूं?

डॉक्टर तिवारी मामले में दो धड़ आपस में बटे एक जहां चाह रहा है बर्खास्तगी की कार्यवाही तो दूसरा बचाव में उसे गरीबों का मसीहा बता रहा

डॉक्टर तिवारी किसी दूसरे डॉक्टर को नहीं भेज सकते थे आखिर 5 मिनट कहकर क्यों घंटे भर देर की उन्होंने,सवाल?

यदि सही तरीके से जांच हो तो डॉक्टर तिवारी की लापरवाही साफ देखी जाएगी फिर भी बचाने का प्रयास किया गया,अगली लापरवाही का यह हो सकता है इंतजार?

मामला मनेंद्रगढ़ समुदाइक स्वास्थ्य केंद्र में घटी घटना से जुड़ा हुआ,लापरवाही की वजह से गई थी एक व्यक्ति की जान

-रवि सिंह-
मनेंद्रगढ़ 25 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

मनेंद्रगढ़ अस्पताल में डॉक्टर के ना पहुंचने की वजह से एक घायल व्यक्ति की जान चली गई, अब जान जाने के बाद दो गुटों में बटे हुए लोग इस मामले को उलझा कर रख दिया है, जहां डॉक्टर के साथ मारपीट करने वालों के ऊपर एफआईआर की मांग हो रही है, ताकि वह दबाव में पीड़ित पक्ष मामले में आगे ना बढ़े और मामला यहीं पर ठंडा बस्ता में चला जाएं, कुछ ऐसा ही प्रयास हो रहा है, निष्पक्ष कार्यवाही की बात कोई नहीं कर रहा, जबकि मामला साफ है की आक्रोश तो डॉक्टर के प्रति लोगों का एक व्यक्ति की जान जाने की वजह से था, क्योंकि किसी का जान जाने का मामला था पर जान जाने के मामले में सभी आक्रोशित थे, और डॉक्टर के साथ मारपीट हुई उस बात को लेकर डॉक्टर के साथ सहानुभूति लिए कुछ लोग जांच को प्रभावित करने में जुट गए हैं। सवाल तो यहां उत्पन्न होता है कि आखिर जिसकी जान गई उसके लिए सहानुभूति कितनों ने दिखाई? यहां पर डॉक्टर की लापरवाही जिसने समझी उसने आक्रोश जाहिर किया, डॉक्टर की लापरवाही भूल के डॉक्टर को बचाने के प्रयास में जो लोग सामने आ रहे हैं और अपना अलग-अलग तर्क दे रहे हैं, उनकी सहानुभूति मृतक के साथ बिल्कुल भी नहीं, डॉक्टर के साथ सहानुभूति दिखाने वाले वह लोग हैं जिनसे उनकी दुकान चल रही थी, जैसे निजी दवाई दुकान निजी जांच की दुकान। और कुछ नेता किस्म के लोग जो डॉक्टर से किस कदर लाभ कमाते थे वह भी उसकी सहानुभूति में पढ़े हुए हैं। पर कोई यह नहीं सोच रहा कि इस बिगड़े हुए माहौल का भी जिम्मेदार डॉक्टर है, यदि डॉक्टर समय पर आ जाते तो यह भी विवाद जन्म नहीं लेता, विवाद को जन्म देने का श्रेय भी डॉक्टर साहब को ही जाता है, यदि वह चाहते तो किसी और डॉक्टर को वहां पर उपलब्ध करा सकते थे, पर वह भी जरूरी नहीं समझा, जब तक डॉक्टर उपलब्ध होता तब तक देरी हो चुकी थी। यदि इस विवाद के जन्म को देखें तो डॉक्टर की लापरवाही से ही हुआ। आक्रोश तो उस मृतक के जाने से उत्पन्न हुआ। घायल व्यक्ति की मृत्यु का आक्रोश तो भीड़ में था, और भीड़ की कोई शक्ल नहीं होती, पर अब शक्ल देकर भीड़ पर कार्यवाही करने की मुहिम छेड़ कर दबाव का प्रयास है। नवीन जिले एमसीबी में स्वास्थ्य व्यवस्था का क्या हाल है यह किसी से छिपा हुआ नहीं है और हालिया घटी घटना जिसमे एक दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मौत हुई और मौत की वजह डॉक्टर की अस्पताल में गैर मौजूदगी साथ ही बुलाने पर भी देर से आना यह आरोप लगा,जिसमे उग्र लोगों ने मौके पर ही डॉक्टर की पिटाई की और किसी तरह डॉक्टर ने पुलिस थाने में जाकर जान बचाई। डॉक्टर भी कोई आम नहीं थे अविभाजित कोरिया जिले में भी वह मनेंद्रगढ़ समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की जिम्मेदारी सम्हाल रहे थे और जिला विभाजन के बाद वह जिला मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी के साथ साथ बीएमओ का भी कार्यभार सम्हाल रहे हैं। मृतक के परिजनों साथ ही उपस्थित लोगों के अनुसार जब दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल लाया गया तब वह जीवित था और वह घंटो जीवित रहा और यदि समय पर उसे इलाज मिलता तो वह बच सकता था लेकिन अस्पताल में डॉक्टर मौजूद नहीं थे, वहीं जब डॉक्टर सुरेश तिवारी जो सर्जन होने के साथ साथ सीएमओ बीएमओ दोनो हैं को फोन कर बुलाया गया तो वह यह कहकर देर से आए की उनके निजी क्लीनिक में मरीज हैं और उनको देखकर वह जल्द आएंगे और उनकी जल्दी ऐसी रही की बिना इलाज व्यक्ति की मौत हो गई और बाद में परिजनों के साथ उपस्थित लोगों ने जमकर अपना आक्रोश निकाला। मामले में अब तक किसी के ऊपर कार्यवाही नहीं हुई है और आगे कार्यवाही होगी या नहीं यह भी तय नही है।

घटती घटना
दुर्घटना में व्यक्ति हुआ घायल,इलाज के लिए लाया गया अस्पताल...नहीं थे डॉक्टर,
5 मिनट में आता हूं कहकर डॉक्टर पहुंचे घंटों बाद...व्यक्ति की हुई मौत
नवीन जिले एमसीबी में मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी को लोगों ने
दौड़ा दौड़ाकर पीटा,भागकर अधिकारी ने बचाई जान

सही से की जाए जांच तो डॉक्टर सुरेश तिवारी पाए जाएंगे दोषी,फिर भी उन्हें बचाने का किया जा रहा प्रयास,अगली लापरवाही को दिया जा रहा आमंत्रण

घायल व्यक्ति के मौत मामले में यदि सही जांच की जाए तो डॉक्टर सुरेश तिवारी का दोषी पाया जाना तय है,लेकिन अब मामले में उन्हे बचाने का प्रयास किया जा रहा है।मामले में उन्हे बचाने का साफ मतलब है की अब आगे फिर किसी लापरवाही का जिम्मेदार इंतजार करेंगे क्योंकि डॉक्टर तिवारी शासकीय अस्पताल की जगह अपने निजी क्लीनिक में ही व्यस्त रहेंगे यह तय है।

मामले में कार्यवाही होगी या कार्यवाही के नाम जारी है सौदेबाजी

पूरे मामले में अब दो धड़ा सामने है एक तरफ घायल एवम इलाज नहीं मिल पाने की वजह से मृत हो चुके व्यक्ति के परिजन हैं जो डॉक्टर सहित लापरवाह अस्पताल प्रबंधन पर कार्यवाही की मांग कर रहें हैं, वहीं दूसरा धड़ा है डॉक्टर सहित अस्पताल प्रबंधन का जो मृतक के परिजनों पर डॉक्टर से मारपीट किए जाने मामले में कार्यवाही चाहते हैं, अब इन दो धड़ों के बीच मामला उलझा हुआ है और जांच साथ ही कार्यवाही लंबित है और इस बीच मामले में सौदेबाजी की बात सुनाई दे रही है, जिसमे दोनो धड़े आपस में अपना अपना मामला वापस ले लें ऐसी संभावना बनाई जा रही है जिससे मामले को दबाया जा सके, अब पूरे मामले में सौदेबाजी की खबरों के बीच यह भी सवाल उठ रहा है की यदि मृतक के परिजनों ने मारपीट की है तो उनके खिलाफ जांच कर तत्काल कार्यवाही क्यों नहीं की जाती? वहीं दोषी डॉक्टर और अस्पताल प्रबंधन जिसकी लापरवाही से घायल युवक की जान गई जैसा परिजनों का आरोप है उसके अनुसार क्यों जांच कर कार्यवाही नहीं की जा रही है? क्या मामले को रफा दफा करना ही उद्देश्य है और इसलिए मामले में अभी कार्यवाही को लेकर समय दिया लिया जा रहा है यह भी सवाल खड़ा हो रहा है।

स्वास्थ्य व्यवस्था आज ऐसे डॉक्टर के हांथ में है जो शासकीय सेवा की बजाए निजी लाभ के लिए निजी क्लीनिक में ज्यादा व्यस्त रहते हैं

वहीं अब मामले में मनेंद्रगढ़ में ही डॉक्टर सुरेश तिवारी को लेकर दो गुट बन गए हैं जहां एक कार्यवाही की मांग कर रहा है वहीं दूसरा उनके कसीदे पढ़कर उन्हे गरीबों का मसीहा बता रहा है, वैसे डॉक्टर सुरेश तिवारी गरीबों के वह मसीहा हैं जो शासकीय सेवक रहते हुए शासकीय अस्पताल में कम अपने निजी क्लीनिक सह अस्पताल में ज्यादा व्यस्त रहते हैं और लगभग ज्यादा समय निजी क्लीनिक को ही प्रदान करते हैं। मनेंद्रगढ़ की स्वास्थ्य व्यवस्था साथ ही जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था आज ऐसे डॉक्टर के हांथ में है जो शासकीय सेवा की बजाए निजी लाभ के लिए निजी क्लीनिक में ज्यादा व्यस्त रहते हैं और उसके बावजूद कुछ उन्हे गरीबों का मसीहा बता रहें हैं। पूरे मामले में घायल व्यक्ति जिसकी मौत हो चुकी है उसकी जान तो वापस नहीं आने वाली लेकिन भविष्य में ऐसी कोई पुनरावृत्ति न हो अब इसको लेकर भी संशय उत्पन्न हो रहा है क्योंकि कुछ लोग ऐसे चिकित्सक के साथ खड़े हैं जो शासकीय अस्पताल की अव्यवस्था का कारण है।

डॉक्टर सुरेश तिवारी की लापरवाही भूलकर एक वर्ग उन्हे गरीबों का मसीहा बता रहा है

मनेंद्रगढ़ में दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मौत मामले में जो प्रारंभिक जानकारी परिजन और उपस्थित लोगों ने दिया है उसके अनुसार घायल व्यक्ति की जान बच सकती थी केवल यदि समय पर उसे इलाज मिल सका होता। समय पर इलाज नहीं मिलने की वजह से ही उसकी जान गई यह प्रारंभिक जानकारी है और जिसकी वजह से यह मृत्यु हुई,घायल को बचाने लोगों ने अस्पताल में डॉक्टर नहीं होने पर डॉक्टर सुरेश तिवारी को ही फोन किया था जो अस्पताल सहित जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था के मुखिया है लेकिन उन्होंने निजी क्लीनिक में मरीज होने की बात कहकर विलंब किया और घायल की जान चली गई,मामले जहां डॉक्टर सुरेश तिवारी की लापरवाही को देखते हुए उनके ऊपर कार्यवाही की जानी चाहिए थी वहीं उनके ऊपर कार्यवाही का अब कुछ लोग यह कहकर विरोध कर रहें हैं की वह तो गरीबों के मसीहा हैं। डॉक्टर सुरेश तिवारी के बारे में शहर नहीं पूरा जिला नहीं वरन अन्य सीमावर्ती राज्य के लोग भी जानते हैं की वह शासकीय अस्पताल की जगह निजी क्लीनिक पर ज्यादा ध्यान देते हैं और ऐसे में उन्हें गरीबों का मसीहा बताया जाना मसीहा शब्द का ही अपमान है जो कहा जा सकता है।

निजी क्लीनिक में ज्यादा देते है ध्यान,शासकीय अस्पताल में केवल हाजरी लगाने जाते हैं डॉक्टर सुरेश तिवारी, फिर भी उनके बचाव में खड़े हैं लोग

जिले सहित शहर की स्वास्थ्य व्यवस्था की जिम्मेदारी सम्हाल रहे शासकीय चिकित्सक डॉक्टर सुरेश तिवारी शासकीय अस्पताल में कम ध्यान देते हैं निजी क्लीनिक में ज्यादा ध्यान देते हैं यह बात किसी से छिपी हुई नहीं है,वह निजी क्लीनिक में आए मरीजों का भी इलाज शासकीय अस्पताल में करते हैं और उनसे निजी शुल्क भी वसूलते हैं और एक तरह से अपनी सेवा से ही वह धोखेबाजी करते हैं इसके बावजूद आज कुछ लोग उनके पक्ष में खड़े हैं और उन्हें बचाने का प्रयास कर रहें हैं,यह लोग कहीं से जन हितैसी लोग नहीं हो सकते कहा जा सकता है।

जब डॉक्टर सुरेश तिवारी समय पर घायल के इलाज के लिए नहीं पहुंच पा रहे थे तो क्यों नहीं उन्होंने फोन पर मना किया,क्यों नहीं दूसरा डॉक्टर उन्होंने भेजा?

जिले सहित शहर के शासकीय अस्पताल में स्वास्थ्य व्यवस्था की संपूर्ण जिम्मेदारी डॉक्टर सुरेश तिवारी के जिम्मे है,,और वही जिले के स्वास्थ्य विभाग के सर्वे सर्वा हैं,ऐसे में जब उन्हें दुर्घटना में घायल युवक के अस्पताल पहुंचने की जानकारी हुई और उन्हे फोन पर घायल की हालत बताई गई तब उन्होंने यह क्यों कहा की वह निजी क्लीनिक के मरीज का इलाज करके जल्द आ रहें हैं जबकि वह समय पर नहीं पहुंच सके और एक घंटे विलंब से उनके आने की वजह से घायल की मौत हो गई,वह अपनी जगह किसी अन्य डॉक्टर को भेज सकते थे और जो उन्होंने नहीं किया और घायल और उसके परिजनों को खुद का ही इंतजार कराया जबकि घायल उनकी लेट लतीफी का शिकार हो गया काल कलवित हो गया,यह बड़ा सवाल है की वह चाहते तो किसी अन्य डॉक्टर को भेजकर घायल का इलाज करा सकते थे जो उन्होंने नहीं किया और क्यों नहीं किया यह भी सवाल है।

मितानिनों ने मेहनत का प्रोत्साहन राशि एवं राज्यांश समय पर नहीं मिलने पर जताया रोष

-संवाददाता-
कोरबा, 25 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

आम जनता की सेहत का साल में 365 दिन देखभाल करने वाली मितानिनों को उनकी मेहनत का प्रोत्साहन राशि नही मिल रहा है इसके साथ ही राज्यांश भी बंद कर दी गई है ढ्ढ एक तरफ राज्य शासन द्वारा मितानिनों की वेतन में 2200 की वृद्धि करते हुए सरकार अपनी तारीफों के पुल बांध रही है वहीं कलेक्ट्रेट पहुंची मितानिनों का कहना है कि हमे अपना प्रोत्साहन राशि ही समय पर नहीं मिल पा रहा। ऊपर से राज्यांश भी बंद कर दिया गया है । सरकार 2200 रूपये की बढोतरी करने की बात कहकर झूठी वाहवाही लूट रही है । पाली ब्लॉक की सैकड़ों मितानिन अपनी वेतन समस्या को लेकर जनदर्शन में कलेक्टर से समस्या का समाधान कराने पहुंची थीं । पाली ब्लॉक से पहुंची मितानिन सोनिया साहू ने बताया कि प्रोत्साहन राशि समय पर नही मिलता और मिलता भी है तो उसमे से कुछ राशि काट कर दी जाती है । मार्च 2023 से राज्यांश नहीं मिला है । बढ़ाई गई 2200 रुपया भी नहीं मिल रहा है इनमे कई मितानिन ऐसे भी हैं जिन्हें जनवरी माह से भुगतान नहीं किया गया है उनका कहना था के मई माह का वेतन भुगतान के लिए मंगलवार को कलेक्टर से जनदर्शन में गुहार लगाने आने वाले थे, इस बात की भनक संबंधित अधिकारियों को लगते ही सुबह 9 बजे बैंक खुल गया और पैसे भी खाता में डाल दिया गया । इस तरह के समस्याएं बरसों से चली आ रही है । उन्होंने बताया कि जब भी अपनी मेहनत (हक) का पैसा चाहिए हो तो हमे दौड़कर कलेक्टर ऑफिस आना पढ़ता है । कोरबा की मितानिन कमला तिवारी बताती हैं कि 75 प्रतिशत राज्यांश दिया जाता था उसे बंद कर दिया गया है 2200 रूपये बढ़ाने वाली बात सिर्फ बोला गया है अभी तक मिला नही । हमे जो प्रोत्साहन राशि 5 से 6 हज़ार रुपए मिलता था अब उसमे भी कटौती कर दो से ढाई हज़ार रुपए ही मिलता है। इस दौरान 2200 बढ़ाए जाने पर मितानिनों का प्रदेश नेतृत्व द्वारा मुख्यमंत्री का धन्यवाद ज्ञापित किए जाने के सवाल पर उनका कहना था कि पैसा मिलेगा करके धन्यवाद दिए पर पैसा नही मिल रहा सिर्फ बेवकूफ बनाया जा रहा है । यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो सभी मितानिन सी.एम. हाउस का घेराव कर भूख हड़ताल करेंगी।

पाली ब्लाक मितानिनों की समस्याए निम्नलिखित हैं

1. प्रत्येक माह के 10 तारीख के प्रोत्साहन राशि का भुगतान कराया जाए 2. मितानिनों को ट्रेनिंग अवधि (27 वा चरण) की राशि का भुगतान किया जाए 3. मितानिनों को मिलने राशि के कुछ काट कर भुगतान किया जाता है उसे पूरा राशि दिलाई जाए 4. मितानिनों को मिलने वाले प्रोत्साहन राशि के अतिरिक्त 2200 मिलना है, ओ भी अप्राप्त है जिसे अविलंब दिया जाए 5. पाली ब्लाक की कुछ मितानिनों का जनवरी 2023 से जून 2023 तक प्रोत्साहन राशि अप्राप्त है 6. कोरोना काल में कम किये है उसका 4 माह का राशि नही मिला है 7. राज्यांश अंशदान मार्च से प्राप्त है उसको चालू किया जाए।

जटाशंकरी नाला पर बनेगा पुल,ग्रामीणों को होगी आवागमन में आसानी

-संवाददाता-
कोरबा, 25 जुलाई 2023 (घटती घटना)

पाली ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत गोपालपुर से नवापारा पहुंच मार्ग में स्थित जटाशंकरी नाला पर पुल का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए विभाग द्वारा प्राक्कलन तैयार कर स्वीकृति हेतु प्रेषित की गई है। पुल बनने से इस क्षेत्र के ग्रामीणों सहित हाईस्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को बारिश के दिनों में किसी प्रकार की समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। बारिश के मौसम के साथ ही गोपालपुर से नवापारा के बीच स्थित जटाशंकरी नाला में जल का स्तर बढ़ जाता है। जल स्तर बढ़ने से होने वाली परेशानियों को ध्यान में रखकर जिला प्रशासन द्वारा इस नाले पर पुल निर्माण की पहल की गई है। इसके लिए सेतु संभाग कोरबा द्वारा गोपालपुर से नवापारा मार्ग में नरसिंह गंगा (झूलना) नाला पर पुल बनाने हेतु 698.26 लाख रुपए का प्राक्कलन मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग सेतु परिक्षेत्र रायपुर को प्रेषित किया गया है। सेतु संभाग के अधिकारी श्री अक्षय जैन ने बताया कि ग्रामीणों की समस्या को दूर करने पुल का निर्माण कराया जाएगा। राशि स्वीकृत होने के पश्चात् पुल बनाने संबंधी आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

सिविल लाइन पुलिस ने मोटरसाइकिल चोर गिरोह का किया भंडाफोड़

-संवाददाता-
कोरबा, 25 जुलाई 2023 (घटती घटना)।

कोरबा जिले में पिछले कुछ महीने से लगातार बाइक चोरी की घटना सामने आ रही थी। अलग-अलग क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाइक चोरी ने पुलिस प्रशासन की चिंता बढ़ा दी थी। पुलिस अधीक्षक उदय किरण के निर्देश पर सिविल लाइन थाना प्रभारी निरीक्षक नितिन उपाध्याय व उनकी पूरी टीम बाइक चोर गिरोह पकड़ने के लिए लगातार प्रयास में जुटी हुई थी। इस बीच सिविल लाइन थाना प्रभारी नितिन उपाध्याय को मुखबिर से सूचना मिली की रजगामार चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पतरापाली निवासी एक युवक बाइक की चोरी कर उसे जंगल में छुपा कर रखा हुआ है। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना प्रभारी श्री उपाध्याय ने टीम को अलर्ट करते हुए चोरी की घटना को अंजाम देने वाले शातिर चोर तक पहुंच उसे धर दबोचा और उसकी निशानदेही पर पुलिस ने एक नहीं दो नहीं बल्कि चोरी की पांच मोटरसाइकिल जब्त करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है साथ ही पकड़े गए शातिर चोर से पूछताछ फिलहाल जारी है द्य जल्द और भी खुलासा होने की संभावना है।

श्रीहित सहचरी समिति द्वारा राम दरबार में सुंदर कांड व पाठ का किया गया आयोजन

-संवाददाता-
कोरबा, 25 जुलाई 2023 (घटती घटना)

कोरबा श्रावण मास के पावन अवसर पर, श्री हित सहचरी समीति द्वारा डीडीएम रोड स्थित राम दरबार में सुंदर कांड व पाठ का आयोजन किया गया। राम लला के नव निर्मित भव्य मंदिर में समिती की महिलाओं ने बड़े ही हर्षोल्लास के साथ भजनों की भी प्रस्तुती दी गई ढ्ढ इस मौके पर उपस्थित सभी लोग श्री राम भजन में गाने और नाचने लगे। इसके पश्चात भोग प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम मे भूतपूर्व महापौर श्रीमती रेणु अग्रवाल मौजूद रहीं। कार्यक्रम में श्री हित सहचरी समिति की संरक्षिका नीरू राय(अध्यक्ष) मंजूलता गुप्ता(उपाध्यक्ष) ,श्रीमती आशा पाण्डे श्रीमती मीना ठाकुर, सचिव श्रीमती अंजना सिंह, सह-सचिव निव्या विनायक, श्वेता दुबे, मीनू शर्मा, प्रमा नायक, शशिकला बघेल, मीरा बनाफर, कविता शाह, भावना स्वर्णकार, नेहा सिन्हा, शोभा, पदमा, मेघा उपाध्याय, रूपा, किरण सिंह, मीरा पांडे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

CMYK

मुझे उम्मीद है कि पांचवें दिन अश्विन और जडेजा ज्यादा ओवर फेंकेंगे : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली ,25 जुलाई 2023। पोर्ट ऑफ स्पेन में दूसरे टेस्ट के पांचवें दिन दिलचस्प समापन के लिए मंच तैयार है। वेस्टइंडीज को जीत के लिए अभी भी 289 रनों की जरूरत है और उसके आठ विकेट बाकी हैं।

रविवार को बारिश से बाधित चौथे दिन 365 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मेजबान टीम ने स्टंप्स तक दो विकेट के नुकसान पर 76 रन बना लिए थे। टैगेनरीन चंद्रपॉल (24 रन) और जर्मेन ब्लैकवुड (20 रन) पर नाबाद हैं।

इससे पहले, तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 60 रन देकर वेस्टइंडीज को पांच झटके दिए जिससे उनकी पूरी टीम पहली पारी में 255 रन पर सिमट गई। इसके बाद, कप्तान रोहित शर्मा (57) और विकेटकीपर ईशान किशन (नाबाद 52) ने तूफानी पारियां खेलीं, जिससे भारत ने अपनी दूसरी पारी दो विकेट के नुकसान पर 181 पर घोषित कर दी।मौजूदा परिस्थितियों में मेजबान टीम को क्या रणनीति अपनानी चाहिए? जियो सिनेमा विशेषज्ञ, भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने कहा, यह इस पर निर्भर करता है कि वे वास्तव में क्या सोच रहे हैं। अगर उन्हें यह गेम जीतना है तो उन्हें थोड़ा आक्रामक क्रिकेट खेलना होगा। लेकिन अगर वे सिर्फ इस खेल को ड्रॉ करने के बारे में सोच रहे हैं, और इसे एक जीत के रूप में देखते हैं तो अलग बात है। उन्होंने यही किया है। इसलिए, मैं एक बार फिर उनसे उम्मीद करता हूं कि वे आराम से टिक कर खेलेंगे और रन बनाने के लिए ढीली गेंदों का इंतजार करेंगे। यह कोई बढ़िया रणनीति नहीं है लेकिन वेस्टइंडीज़ ऐसा कर सकता है।

चोपड़ा ने कहा, मौजूदा हालात में आर. अश्विन और रवींद्र जड़ेजा की भारतीय स्पिन जोड़ी के अंतिम दिन अहम भूमिका निभाने की संभावना है। वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में दोनों विकेट अश्विन को मिले हैं। पांचवें दिन की पिच पर जड़ेजा हमेशा खतरा बने रहते हैं। इसलिए, मैं उनसे उम्मीद करता हूं कि अगर खेल इतना आगे तक जाता है तो वे दूसरे या तीसरे सत्र में एक साथ काफी ओवर फेंकेंगे क्योंकि भारतीय टीम भी इस बारे में सोचना शुरू कर देगी कि कितने ओवर बचे हैं और वे कितने ओवर कर सकते हैं क्योंकि ये दोनों स्पिनर वास्तव में दोगुनी तेजी से अपने ओवर डाल सकते हैं। तो, हाँ, उनसे कुछ विकेटों की उम्मीद है।

उनका यह भी मानना है कि विकेट पर अभी भी बल्लेबाजों के लिए कुछ मदद है। उन्होंने कहा, यह पिच आपकी पारंपरिक पांचवें दिन की पिच नहीं है जो वास्तव में तेजी से खराब होती है। यह एक ऐसी सतह है जहां यदि आप अपना विकेट आसानी से नहीं गंवाने की ठान लेते हैं तो लंबी पारी खेल सकते हैं। हो सकता है, कभी-कभार एक अच्छी गेंद पड़ जाए, लेकिन वास्तव में इससे बल्लेबाज की रातों की नींद खराब नहीं होनी चाहिए।

भारत के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला के लिए हेटमायर,थॉमस की वेस्टइंडीज टीम में वापसी

सेंट जोंस ,25 जुलाई 2023। मेजबान वेस्टइंडीज ने भारत के खिलाफ गुरुवार से बारबाडोस में शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए आक्रामक बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर और तेज गेंदबाज ओशाने थॉमस को टीम में वापस बुलाया है। क्रिकेट वेस्टइंडीज की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पूर्व कप्तान निकोलस पूरन और हरफनमौला खिलाड़ी जेसन होल्डर चयन के लिए उपलब्ध नहीं है, जबकि चोटिल हरफनमौला कीमो पॉल का भी चयन नहीं हुआ है। तेज गेंदबाज जेडन सील्स और लेग स्पिनर यानिक कारिया ने सर्जरी के बाद रिहैबिलिटेशन पूरा कर लिया है और 15 सदस्यीय टीम में उनकी वापसी हुई हैं। चोट से उबरने के बाद बाएं हाथ के स्पिनर गुडाकेश मोती को भी टीम में जगह दी गयी है।

बडे शॉट लगाने में माहिर हेटमायर ने लगभग एक साल के बाद किसी भी प्रारूप में कैरेबियाई टीम में वापसी कर रहे है। उन्होंने अपना पिछला एकदिवसीय जुलाई 2021 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ था। चयन के लिए खुद को उपलब्ध कराने के बावजूद उन्हें विश्व कप क्वालीफायर की टीम में जगह नहीं दी गयी थी। थॉमस ने वेस्टइंडीज के लिए अपना पिछला मैच दिसंबर 2021 में खेला था। मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने कहा, ''हम ओशाने और शिमरोन का टीम में फिर से स्वागत करते हैं। दोनों ने पहले भी कुछ सफलता के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेला है। हमें विश्वास है कि वे इस टीम में अच्छी तरह से फिट होंगे।''

उन्होंने कहा, '' ओशेने के पास नयी गेंद से विकेट लेने की क्षमता है जबकि शिमरोन की बल्लेबाजी की शैली बीच के ओवरों में टीम के लिए मददगार होगी। वह 'फिनिशर' की भूमिका भी निभा सकते हैं।'' इस साल मई में एकदिवसीय विश्व कप क्वालीफायर में निराशाजनक प्रदर्शन करने के बाद वेस्टइंडीज की टीम पहली बार 50 ओवर के प्रारूप में खेलेगी। वेस्टइंडीज क्वालीफायर में भारत में खेले जाने वाले विश्व कप का टिकट पक्का करने में नाकाम रहा था। श्रृंखला के तीनों एकदिवसीय मैच 27, 29 जुलाई और एक अगस्त को खेले जायेंगे। वेस्टइंडीज टीम- शाई होप (कप्तान), रोवमैन पॉवेल (उप कप्तान), एलिक अथानाजे , यानिक कारिया, कीयासे कार्टी, डोमिनिक ड्रेक्स, शिमरोन हेटमायर, अल्जारी जोसेफ, ब्रैंडन किंग, काइल मेयर्स, गुडाकेश मोती, जेडेन सील्स, रोमारियो शेफर्ड, केविन सिंक्लेयर, ओशाने थॉमस।

फीफा महिला विश्व कप : जर्मनी ने मोरक्को को 6-0 से हराया

मेलबर्न,25 जुलाई 2023। कप्तान एलेक्जेंड्रा पॉप के दो गोल की मदद से जर्मनी ने मेलबर्न रेक्टेंगुलर स्टेडियम में नवागंतुक मोरक्को पर 6-0 से बड़ी जीत के साथ अपने फीफा महिला विश्व कप अभियान की शानदार शुरुआत की।

दो बार की चैंपियन जर्मनी की टीम इससे पहले फीफा महिला विश्व कप में अपने पिछले 24 ग्रुप-स्टेज मैचों में से केवल एक हारी थी। पहली बार प्रतियोगिता में हिस्सा ले रही मोरक्को कभी उसे चुनौती देता नहीं दिखा।

मोरक्को 11वें मिनट में ही पिछड़ गया जब कप्तान पोप हेडर करके जर्मनी को 1-0 से आगे कर दिया। हाफ टाइम से ठीक पहले एक और हेडर के साथ जर्मनी ने 2-0 की बढ़त हासलि कर ली। क्लारा बुहल ने दूसरे हाफ के पहले मिनट में गोल किया। इसके बाद मोरक्को के घावों पर नमक छिड़कते हुए जर्मनी ने अपनी पकड़ मजबूत कर ली। मोरक्को ने दो आत्मघाती गोल किए और अंत में शूलर ने इंजुरी टाइम में गोल करके टीम को बड़ी जीत दिलाई।

इस वर्ग की अन्य दो टीमों, कोलंबिया और कोरिया गणराज्य के बीच मंगलवार को होने वाले मैच से पहले जर्मनी अब ग्रुप एच के शीर्ष पर मजबूत बढ़त बनाए हुए है।

कैंसर को मात देने वाली कैसिडो के गोल से कोलंबिया ने दक्षिण कोरिया को 2-0 से हराया

सिडनी ,25 जुलाई 2023। कैंसर से उबरने वाली लिंडा कैसिडो के गोल की मदद से कोलंबिया ने फीफा महिला विश्व कप के अपने पहले मैच में मंगलवार को दक्षिण कोरिया को 2-0 से हराया। रियल मैड्रिड की अग्रिम पंक्ति की खिलाड़ी कैसिडो को 15 साल की उम्र में 'ओवेरियन कैंसर' का पता चला था। उन्होंने इस मैच में अपने देश के लिए दूसरा गोल करने के बाद सिडनी फुटबॉल मैदान में कोलंबिया के प्रशंसकों की ओर दौड़ कर खुशी का इजहार किया। अठारह साल की कैसिडो मैदान के अंदर और बाहर एक प्रेरणादायक शख्सियत हैं। उन्होंने मैच के 39वें मिनट में गोल कर कोलंबिया की बढ़त को 2-0 किया। कैटलिना उसमे ने मैच के 30वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदल कर कोलंबिया का खाता खोला था। कैसिडो के अलावा इस मैच में एक और किशोर खिलाड़ी ने अपनी पहचान बनायी। दक्षिण कोरिया की कैसी फेयर 16 साल की उम्र में विश्व कप का मैच खेलने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं। वह मैच के दूसरे हाफ में स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान में उतरीं। कोलंबिया की टीम ग्रुप एच में अपने अगले मुकाबले में जर्मनी जबकि दक्षिण कोरिया की टीम सोमवार को मोरक्को का सामना करेगी। जर्मनी ने मोरक्को को 6-0 से हराया था।

एआईएफएफ ने डेननरबी को फिर से महिला फुटबॉल टीम का कोच नियुक्त किया

नयी दिल्ली,25 जुलाई 2023। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने स्वीडन के थॉमस डेननरबी को फिर से राष्ट्रीय महिला टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया जबकि तकनीकी समिति ने गोकुलम केरल के एंथनी एंड्रयूज की सिफारिश की थी।

आईएम विजयन की अगुवाई वाली तकनीकी समिति ने एंड्रयूज के नाम की सिफारिश की थी लेकिन पता चला है कि राष्ट्रीय टीम की अधिकतर खिलाड़ी डेननरबी को कोच के रूप में बनाए रखने के पक्ष में थी और उन्होंने एआईएफएफ से इसको लेकर आग्रह भी किया था। एंड्रयूज हालांकि टीम के साथ रहेंगे क्योंकि उन्हें कोच नियुक्त किया गया है जबकिमेमोल रॉकी सहायक कोच और रोनिबाला चानू गोलकीपिंग कोच होंगी।

सात्विक-चिराग की जोड़ी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर पहुंची

नयी दिल्ली,25 जुलाई 2023। चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी कोरिया ओपन जीतने के बाद मंगलवार को बीडब्ल्यूएफ (विश्व बैडमिंटन महासंघ) की नवीनतम रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर पहुंच गयी। सात्विक और चिराग ने इस रैंकिंग सूची में लिआंग वेई केंग और वांग चांग की चीन की जोड़ी की जगह ली। भारतीय जोड़ी ने कोरिया ओपन के सेमीफाइनल में केंग और चांग की जोड़ी को हराया था। मौजूदा सत्र में कोरिया ओपन (सुपर 500), स्विस ओपन (सुपर 300) और इंडोनेशिया ओपन (सुपर 1000) खिताब जीतने वाली एशियाई चैंपियन जोड़ी के नाम अब 87,211 अंक हैं।

सात्विक और चिराग ने रविवार को साल का अपना चौथा फाइनल (कोरिया ओपन) खेलते हुए फजर अल्फियान और मोहम्मद रियान आर्दियांतो की इंडोनेशिया की शीर्ष वरीय जोड़ी पर 17-21 21-13 21-14 की जीत दर्ज की थी। राष्ट्रमंडल खेलों के विजेता भारतीय जोड़ी की यह बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर में लगातार 10वीं जीत थी। कोरिया ओपन से जल्दी बाहर होने वाली दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू महिला एकल रैंकिंग में अपना 17वां स्थान बरकरार रखने में सफल रही हैं।

लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल हालांकि एक स्थान खिसककर 37वें स्थान पर आ गई हैं। एचएस प्रणय भारत के शीर्ष रैंक के एकल शटलर बने हुए हैं। पुरुष एकल रैंकिंग में 10वें स्थान पर हैं। कनाडा ओपन विजेता लक्ष्य सेन ने कोरिया ओपन भाग नहीं लिया था, जिससे उन्हें रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है। वह अब 13वें नंबर पर आ गए हैं, वहीं फॉर्म से जूझ रहे किदांबी श्रीकांत 20वें स्थान पर बने हुए हैं।

शाहरुख खान की जवान से विजय सेतुपति का पहला लुक आया सामने,

शाहरुख खान इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म जवान को लेकर चर्चा में बने हुए हैं।अब निर्माताओं ने सोमवार (24 जुलाई) को जवान का नया प्रीव्यू जारी कर दिया है, जिसमें सभी कलाकार जबरदस्त एक्शन करते नजर आ रहे हैं, वहीं प्रीव्यू में बज रहा बैकग्राउंड म्यूजिक काफी शानदार लग रहा है।इसके साथ जवान से विजय सेतुपति का पहला लुक लुक सामने आ चुका है, जिसमें वह कभी नहीं देखे गए अवतार में नजर आ रहे हैं। शाहरुख ने ट्विटर पर जवान से विजय का पहला लुक साझा किया है। इसके कैप्शन में उन्होंने लिखा, उसे कोई रोक नहीं रहा है...या है? ध्यान रहें। जवान का प्रीव्यू जारी।जवान का निर्देशन एटली कुमार ने किया है। ये एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है।इसमें शाहरुख के साथ साउथ की जानी-मानी अभिनेत्री नयनतारा नजर आएंगी। फिल्म में विजय, सान्या मल्होत्रा और सुनील ग्रोवर भी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

फिल्म में विजय की भूमिका के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, हालांकि यह माना जाता है कि साउथ स्टार आगामी फिल्म में ग्रे शेड्स में नजर आएंगे। इस महीने की शुरुआत में हाल ही में रिलीज़ हुए जवान प्रीव्यू में विजय की झलक देखी गई थी। इसमें शाहरुख के किरदार को भी दिखाया गया है जो जेल में पैदा हुआ था और बड़ा होकर एक अधिकारी बनता है। दोहरी भूमिका निभाने के बारे में अटकलें तब शुरू हुईं जब प्रीव्यू में बूढ़े शाहरुख, महिलाओं की एक टीम बनाने और मेट्रो ट्रेन को बंधक बनाने पर प्रकाश डाला गया। प्रीव्यू में शाहरुख गंजे अवतार में बेकरार करके पर डांस करते हुए भी नजर आए थे, जिसने कई फैन्स का दिल जीत लिया था। यह भी एक आश्चर्य के रूप में आया जब शाहरुख खान ने एक्शन एंटरटेनर जवान के एक मनोरम दृश्य में अपने स्वयं के कदमों को कोरियोग्राफ करके अपने नृत्य कौशल का प्रदर्शन किया। उन्होंने फिल्म में लोकप्रिय रेट्रो गीत बेकरार करके के स्टेप दिए।

यह उनके चरित्र की खतरनाक ऊर्जा को सबसे शानदार तरीके से दर्शाता है, जिससे दृश्य में एक दिलचस्प परत जुड़ जाती है।

एक सूत्र के मुताबिक, यह शाहरुख खान ही थे जिन्होंने बैकग्राउंड में बज रहे बेकरार करके के साथ इस विशेष सीक्वेंस में डांस स्टेप्स पेश करने का विचार रखा था। सूत्र ने खुलासा किया, उन्होंने स्टेप्स को कोरियोग्राफ करने का जिम्मा खुद उठाया, जिसने दृश्य को पूरी तरह से बदल दिया और इसे और अधिक मनोरम बना दिया। जवान रेड चिलीज़ एंटरटेनमेंट प्रस्तुति है, जो एटली द्वारा निर्देशित, गौरी खान द्वारा निर्मित और गौरव वर्मा द्वारा सह-निर्मित है। यह फिल्म 7 सितंबर 2023 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज होगी।

पिंक आउटफिट में वर्कआउट के दौरान नेहा मलिक ने दिए सिजलिंग पोज,फैंस ने थामें अपने दिल

एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपने आउटफिट से अक्सर सोशल मीडिया पर कहर बरपाए रहती हैं। उनकी ग्लैमरस तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आती हैं। फैंस उनकी एक झलक के लिए बेताब रहते हैं। वहीं, उनका लेटेस्ट वर्कआउट करते हुए आउटफिट काफी तेजी से वायरल हो रहा है। भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक ने वर्कआउट करते हुए पिंक जंपसूट में अपनी बेहद ही सिजलिंग तस्वीर क्लिक करवाई हैं। कभी डंबल उठाते हुए तो कभी रॉड के साथ एक्ट्रेस नेहा मलिक ने अपनी तस्वीरों से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा दी हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक अपने दिन की शुरूआत गर्म पानी में एप्पल साइडर विनेगर के साथ करती हैं। नेहा मलिक अपनी फिटनेस को लेकर काफी एक्साइटेड रहती हैं, उनकी तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आती हैं। एक्ट्रेस नेहा मलिक और खेसारी लाल का सॉन्ग तेरे मेरे दरमियान काफी पसंद किया गया। फैंस उनकी एक-एक तस्वीर का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। वहीं, नेहा मलिक अपने फैंस के दिलों की धड़कनों का कोई भी मौका नहीं छोड़ती हैं। नेहा मलिक ने साल 2016 में भोजपुरी फिल्म 'भनवानी का जल' से डेब्यू किया था। नेहा मूल रूप से पंजाब की रहने वाली हैं। लेकिन, भोजपुरी इंडस्ट्री में इनका अलग ही जलवा कायम है। नेहा मलिक की इंस्टाग्राम पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है। उनके इंस्टा अकाउंट पर 4.1 मिलियन फॉलोवर्स हैं। सोशल मीडिया पर अपने हुस्न का जलवा बिखेरने वाली एक्ट्रेस नेहा मलिक अपने निजी और प्रोफेशनल लाइफ को शेयर करती रहती हैं।

जयम रवि ने किया नई पैन इंडिया फिल्म जिनी का ऐलान,मुख्य भूमिका में 3 अभिनेत्रियां

बीते दिनों दक्षिण भारतीय फिल्म जगत से एक के बाद एक पैन इंडिया फिल्म की घोषणा हुई है। पुष्पा, आरआरआर , केजीएफ , जैसी फिल्मों की दीवानगी के बाद अब हिंदी के दर्शकों के बीच दक्षिण भारतीय कहानियों की लोकप्रियता बढ़ रही है। इसी क्रम में बुधवार को एक और पैन इंडिया फिल्म की घोषणा हुई है। पोन्नियन सेल्वन स्टार जयम रवि ने अपनी नई फिल्म जिनी का ऐलान कर दिया है।

जयम रवि ने अपनी नई फिल्म जेआर32 के नाम की घोषणा की है। इस फिल्म का नाम जिनी है। खास बात यह है कि फिल्म में 3 अभिनेत्रियां मुख्य भूमिका निभाएंगी। कीर्ति शेट्टी, कल्याणी प्रियदर्शन और वामिका गब्बी इस फिल्म में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन अर्जुनन जूनियर करेंगे। पोन्नियन सेल्वन की तरह ही इस फिल्म का संगीत एआर रहमान का होगा। फिल्म के ऐलान से पहले टीम ने एक पूजा का भी आयोजन किया।

रवि जयम ने ट्विटर पर जिनी का पोस्टर साझा किया। रवि के ट्वीट को रीट्वीट करते हुए कल्याणी प्रियदर्शन ने लिखा, इस फिल्म का हिस्सा बनकर काफी उत्साहित हूं। इस कूल स्क्रिप्ट, बेहतरीन क्रू और मजेदार कलाकारों के साथ जिनी में मेरी विश पहले ही पूरी कर दी है। फिल्म के पोस्टर पर प्रशंसकों ने भी अपनी खुशी जाहिर की है। रवि जयम के प्रशंसकों का कहना है कि वह शानदार कलाकार हैं और उन्हें इस फिल्म का इंतजार है।

जयम रवि की इस फिल्म का निर्माण वेल्स फिल्म इंटरनैशनल कर रही है। फिल्म में एआर रहमान का संगीत होने के कारण भी प्रशंसक इसे लेकर उत्साहित हैं। जेनी तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में रिलीज की जाएगी। फिलहाल इसकी रिलीज डेट की घोषणा नहीं हुई है। अब दर्शक फिल्म के बारे में अन्य जानकारियों का इंतजार कर रहे हैं। खासकर, इसकी स्टारकास्ट ने उन्हें फिल्म की कहानी जानने के लिए और उत्सुक कर दिया है।

दर्शकों के लिए कई बड़ी पैन इंडिया फिल्में कतार में हैं। इनमें से सबसे चर्चित प्रभास की फिल्म सालार है। गुरुवार को फिल्म का टीजर जारी किया जाएगा। प्रभास की ही फिल्म प्रोजेक्ट के का भी दर्शक काफी समय से इंतजार कर रहे हैं। यह फिल्म अगले साल जनवरी में रिलीज होगी। वीएफएक्स से भरपूर फिल्म हनुमान भी अगले साल जनवरी में रिलीज होगी। हाल ही में एकता कपूर ने मोहनलाल के साथ वृषभ का ऐलान किया है।

CMYK

अब संविदाकर्मियों पर सरकार हुई सख्त

हड़ताली कर्मचारियों पर लगाया गया एस्मा

तीन दिन का अल्टीमेटम जारी

रायपुर,25 जुलाई 2023(ए)। राज्य सरकार अब संविदाकर्मियों पर कार्रवाई के मूड में आ गयी है। वेतन वृद्धि की घोषणा के बावजूद हड़ताल पर अडिग संविदाकर्मियों को राज्य सरकार ने तीन दिन का अल्टीमेटम जारी किया है। सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव कमलप्रीत सिंह ने सभी विभागों के एचओडी, विभागाध्यक्ष, कलेक्टर्स व जिला पंचायत सीईओ को आदेश जारी कर कहा है कि संविदा पर काम कर रहे अधिकारियों-कर्मचारियों की अनाधिकृत अनुपस्थिति पर कार्रवाई करें।

जीएडी ने अपने आदेश में कहा है कि संविदा कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर लगातार हड़ताल पर हैं, इससे काम काफी प्रभावित हो रहा है। मुख्यमंत्र ने पिछले दिनों संविदा पर काम कर रहे कर्मचारियों के लिए वेतन वृद्धि की घोषणा की थी। बावजूद हड़ताल पर कर्मचारी हैं।

जीएडी सचिव कमलप्रीत सिंह ने तीन दिन के भीतर कर्मचारियों को काम पर लौटने का आदेश जारी करने को कहा है। वहीं जिन सेवाओं को एस्मा के तहत माना जाता है, उन सेवाओं के कर्मचारियों पर एस्मा की धाराओं के तहत कार्रवाई की जाये। जीएडी ने कहा है कि हड़ताली संविदाकर्मियों के स्थान पर अन्य अधिकारियों-कर्मचारियों की वैकल्पिक व्यवस्था की जाये।

हड़ताली संविदाकर्मियों ने किया हनुमान चालीसा का पाठ,

संविदाकर्मियों ने किया हनुमान चालीसा का पाठ

छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर स्थित तूता धरना स्थल में हड़ताल पर बैठे संविदाकर्मियों ने मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ किया। इस दौरान संविदा कर्मचारियों ने नियमितिकरण के संकट को हरने हनुमान जी से प्रार्थना की। दरअसल, कांग्रेस सरकार के अनुपूरक बजट में नियमितिकरण वादे पूरे होने की आस संविदाकर्मियों की थी, लेकिन यह कामना पूरी नहीं हुई। पौने पांच साल में वादे पूरे नहीं होने और 22 दिनों के निरंतर हड़ताल के बावजूद मांग पूरी नहीं किए जाने से नाराज संविदा कर्मचारियों ने आज हनुमान चालीसा का पाठ किया। हजारों की संख्या में राज्यभर से आए संविदा कर्मचारी हनुमान चालीसा गाकर हनुमान जी से अर्चना करने लगे।

इन संविदा कर्मचारियों का कहना है कि सरकार का अनुपूरक बजट भी निराशा के साथ बीत गया। सरकार की मंशा नियमितिकरण को लेकर साफ नहीं हो पा रही है, न ही सरकार संवाद कायम कर रही है, इसलिए नियमितिकरण पर छाए इस संकट के बादल को हटाने हम संकटमोचन हनुमानजी से अर्चना किए।

संवाद रैली आज

बताया जा रहा है कि, नियमितिकरण नहीं किए जाने से नाराज संविदा कर्मचारी बुधवार को संवाद रैली के माध्यम से सरकार को संवाद करने की अपील करेंगे। संवाद रैली में कर्मचारी घुटनों के बल और दंडवत प्रणाम करके मुख्यमंत्री से जन घोषणा पत्र के वादे संविदा नियमितिकरण को पूरा करने की अपील करेंगे। संविदा कर्मचारियों की हड़ताल अपने संगठन की एकजुटता, अनुशासन, अनोखे प्रदर्शन और कड़े संघर्ष के लिए पहले ही प्रदेश स्तर पर सुर्खियों में है। इन्होंने इन बीस दिनों में एस्मा कानून के विरोध में सामूहिक त्यागपत्र, हजारों की संख्या में जेल भरो आंदोलन और आमरण अनशन कर आमजन की सहानुभूति अर्जित किए हैं।

रिमांड खत्म होने पर रानू साहू को रायपुर कोर्ट में पेश किया गया

अब 4 अगस्त तक ज्यूडिशियल कस्टडी

ईडी ने किया रानू साहू से करीब 20 से ज्यादा प्रश्न

रायपुर,25 जुलाई 2023(ए)। कोयला घोटला में गिरफ्तार आईएएस रानू साहू को ईडी ने विशेष कोर्ट में पेश कर दिया है। शनिवार को गिरफ्तार की गई रानू साहू को ईडी ने तीन दिन के रिमांड पर लिया था। आज रिमांड की अवधि पूरी हो गई है। ईडी ने उन्हें विशेष न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत की कोर्ट में पेश किया है। ईडी रानू साहू का फिर से रिमांड मांग सकती है। सूत्रों के अनुसार शनिवार की शाम से आज सुबह तक ईडी की टीम आईएएस रानू साहू से लगातार पूछताछ कर रही थी। ईडी रानू साहू से छापों के दौरान जब्त डायरी और मोबाइल चैट के संबंध में पूछताछ की है। बताया जा रहा है कि ईडी ने रानू साहू से करीब 20 से ज्यादा प्रश्न किए है। इन सवालों में कोयला घोटला का रकम किन- किन लोगों को पहुंचाया गया या बांटा गया भी शामिल है। ईडी ने रानू साहू, उनके आईएएस पति जेपी मौर्या और उनके मायके वालों की आर्जित संपत्ति और आय के स्रोतों के संबंध में भी पूछताछ की है. गिरफ्तार आईएएस अधिकारी रानू साहू को अब 4 अगस्त तक ज्यूडिशियल कस्टडी में रहना होगा। अगले माह 4 अगस्त को पुनः उन्हें कोर्ट में पेश किया जाएगा। ईडी रानू साहू से छापों के दौरान जब्त डायरी और मोबाइल चैट के संबंध में पूछताछ की है। ईडी को जरुरत महसूस होगी तो आईएएस रानू साहू से जेल अभिरक्षा में भी सवाल-जवाब करेगी।

बताया जा रहा है कि ईडी ने रानू साहू से करीब 20 से ज्यादा प्रश्ने न किए गए हैं। इन सवालों में कोयला घोटला की रकम किन- किन लोगों को पहुंचाया गया या बांटा गया भी शामिल है। ईडी ने रानू साहू, उनके आईएएस पति जेपी मौर्या और उनके मायके वालों की आर्जित संपत्ति और आय के स्रोतों के संबंध में भी पूछताछ की है।

आईएएस रानू साहू को आज ईडी ने विशेष आदालत में फिर से पेश किया था। बता दें कि शनिवार को गिरफ्तार की गई रानू साहू को ईडी ने तीन दिन के रिमांड पर लिया था। आज रिमांड की अवधि पूरी हो गई थी। ईडी ने उन्हें विशेष न्यायाधीश अजय सिंह राजपूत की कोर्ट में पेश किया।

ईडी ने स्पेशल कोर्ट से आईएएस रानू साहू रिमांड मांगी लेकिन स्पेशल मजिस्ट्रेट श्री राजपूत ने उन्हें 4 अगस्त तक की रिमांड में पूछताछ का फैसला सुनाया। सूत्रों के अनुसार शनिवार की शाम से आज सुबह तक ईडी की टीम आईएएस रानू साहू से लगातार पूछताछ कर रही थी।

हाईकोर्ट ने जब वायरल वीडियो पर लिया संज्ञान

जान जोखिम में डालकर नदी पार कर रहे स्टूडेंट

बिलासपुर ,25 जुलाई 2023 (ए)। कोंडागांव के स्कूली बच्चों को बांस के सहारे नदी पार करते हुए सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो और खबर पर स्वतः संज्ञान लेते हुए हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस ने पीडब्ल्यूडी सचिव को शपथ पत्र के साथ जवाब दाखिल करने के लिए कहा है। बीते दिनों एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था और खबर अखबारों में छपी थी। इसमें बताया गया था कि कोंडागांव के बोकराबेड़ा गांव की एक पहाड़ी नदी में बाढ़ आ जाने पर स्कूल के बच्चे खतरनाक ढंग से बांस के बनाए गए अस्थायी पुल के सहारे नदी पार कर रहे हैं। चीफ जस्टिस रमेशचंद्र सिन्हा ने इसे स्वतः संज्ञान लिया और एक जनहित याचिका के रूप में सुनवाई शुरू की। महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा ने शासन की ओर से कहा कि भारी बारिश के कारण नदी का पुल बन गया है। अचानक बाढ़ आने पर बच्चों को लाने के लिए बांस की अस्थाई व्यवस्था की गई थी। नया पुल बनाने के लिए मई 2023 में वर्क आर्डर जारी कर दिया गया है। हाईकोर्ट ने पीडब्ल्यूडी के सचिव को इस मामले में व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने कहा है। साथ ही निर्देश दिया है कि बच्चों को सुरक्षित स्कूल आने जाने की व्यवस्था की जाए। प्रकरण की सुनवाई अब 4 अगस्त को होगी।

छत्तीसगढ़ के आवासीय स्कूल में हुई शर्मनाक घटना

- आवासीय स्कूल में 6 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म,
- मंत्री लखमा बोले मामले में जो भी आरोपी है, वो पकड़ में आ जायेगा
- आश्रम की अधीक्षक और सहायक अधीक्षिका सस्पेंड

रायपुर,25 जुलाई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां शासकीय कन्या आवासीय विद्यालय, एर्राबोर पोटा केबिन में पढ़ने वाली एक नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म का मामला सामने आया है। बालिका की शिकायत के बाद हड़कंप मच गया। बता दें कि देर रात पुलिस प्रशासन को पीड़ित परिवार ने एफआईआर के लिए आवेदन दिया था। वहीं पोटाकेबिन के जिम्मेदारों ने तीन दिन तक इस मामले को गुप्त रखा था। जिसके बाद पोटा केबिन अधीक्षिका हीना खान एवं सहायक अधीक्षिका सविता वर्मा को इस घटना की सूचना उच्च कार्यालय को नहीं देने के कारण तत्काल प्रभाव से हटाकर निलंबित किया।

घटना की जानकारी मिलते ही एसपी और कलेक्टर आवासीय विद्यालय में पहुंचे। वहीं, मंत्री कवासी लखमा ने पूरे मामले की जांच के आदेश दिए है। एसपी ने जांच के लिए आठ सदस्यता टीम भी गठित की है। आश्रम अधीक्षक और स्टाफ पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए है।

इस मामले में सुकमा एसपी ने किरण चौहाण ने आठ सदस्यीय टीम गठित की है। टीम में कोंटा एडिशनल एसपी गौरव मंडल के नेतृत्व में पूरे मामले की जांच की जाएगी। कलेक्टर ने भी पूरे मामले को गंभीरता से लिया है। मंत्री ने पूरे मामले पर कलेक्टर और एसपी से चर्चा कर इस मामले की जानकारी ली है। साथ ही इस मामले पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए है।

पुलिस पता लगा रही है कि आरोपी कौन है और कैसे इस कृत्य को अंजाम दिया है। कलेक्टर और एसपी को कड़े निर्देश दिए गए हैं। जल्द से जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

आयकर विभाग के 208 इंस्पेक्टर्स का ट्रांसफर

इनमें छत्तीसगढ़ के 58 अफसर भी शामिल

रायपुर,25 जुलाई 2023(ए)। प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त सीजी/एमपी ने छत्तीसगढ़ क्षेत्र के 208 आईटी इंस्पेक्टर्स के तबादले किए हैं। इनमें रोटेशनल और पदोन्नत इंस्पेक्टर भी शामिल हैं। इन सभी को 7 अगस्त तक नई जगह ज्वाइनिंग करनी होगी। अफसरों में 58 छत्तीसगढ़ के हैं, जिनके नाम इस लिस्ट में शामिल है। इनमें अनिल कुमार सिंह को भोपाल-बिलासपुर से रायपुर-रायगढ़, केवीएस सुब्बाराव को इंदौर-रायपुर से रायपुर-भिलाई, तो वही फेटीसिंग पैकरा को रायपुर-कोरबा से रायपुर भेजा गया है। इसके अलावा कई अन्य अधिकारी भी है जिन्हें दूसरे जिलों में जिम्मेदारी दी गई है। सोमवार को इनकम टैक्स डे के दिन ये आदेश जारी किया गया है।

जनपद सीईओ के लिए तबादला आदेश जारी

रायपुर,25 जुलाई 2023(ए)। राज्य शासन द्वारा 14 जनपद सीईओ के लिए तबादला आदेश जारी किया गया है। यह तबादले भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के परिपेक्ष में यह तबादले हुए हैं।

इन अधिकारियों का हुआ तबादला

हिमांशु गुप्ता, बी आर वर्मा, सत्यव्रत तिवारी, कुमार सिंह, किरण कुमार कौशल, आर एस नायक, प्रदीप प्रधान, क्रांति ध्रुव, राजेंद्र कुमार, रोशनी जगत, प्रकाश मेश्राम, पन्ना लाल ध्रुव, संदीप शाह पोयाम, प्रज्ञा यादव शामिल हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग ने तेज की चुनाव की तैयारियां

रायपुर,25 जुलाई 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज हो गई हैं। राजनीतिक दलें जहां अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुट गई हैं तो वहीं राज्य निर्वाचन आयोग ने भी अपनी तैयारियां तेज कर दी है। जानकारों की माने तो अगले माह के पहले सप्ताह से ही अधिकारियों के ट्रांसफर पर रोक लग सकती है। सूत्रों ने बताया कि नवंबर अंत अथवा अक्टूबर माह में राज्य भर में आदर्श आचार संहिता लागू हो सकती है। इसके अलावा चुनाव कार्य संपादित करने वाले अफसरों व कर्मचारियों के तबादलों पर अगले माह से ही रोक संभावित है। राज्य में शांतिपूर्ण ढंग से विधानसभा चुनाव संपन्न कराने राज्य निर्वाचन आयोग

ने भी अपनी तैयारियां तेज कर दी है। चुनाव के लिए पोलिंग बूथों की संख्या, इनमें से संवेदनशील, अतिसंवेदनशील पोलिंग बूथों पर निर्वाचन के लिए लगने वाली टीम, सुरक्षा बल के जवान जैसे बिंदुओं पर विशेष ध्यान रखा जा रहा है। चुनाव कार्य में वाहनों की उपलब्धता, सुरक्षा बलों की संख्या, चुनाव कार्य में लगने वाले अफसरों व कर्मचारियों की लिस्टिंग संख्या जैसे कई बिंदुओं पर अब तैयारियां तेज हो गई हैं। संभावना है कि अक्टूबर माह में ही आदर्श आचार संहिता लागू हो सकती है। ज्ञात हो कि गत माह ही कलेक्टर, पुलिस अधीक्षकों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोग ले चुका है।

बीजेपी बोली राम के नाम पर कांग्रेस कर रही भ्रष्टाचार

- पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर का आरोप लोकार्पण कार्यक्रम में 4 करोड़ 69 लाख खर्च

रायपुर,25 जुलाई 2023(ए)। भारतीय जनता पार्टी अब भूपेश सरकार पर राम के नाम से भ्रष्टाचार का आरोप मढ़ने लगी है। बीजेपी के पूर्व मंत्री और विधायक अजय चंद्राकर ने वीडियो जारी कर राम के नाम पर करोड़ों रूपये के भ्रष्टाचार किये जाने का आरोप लगाया है।

राम वन गमन पर्यटन परिपथ के विकास कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम में 4 करोड़ 69 लाख से ज्यादा खर्च पर बोले भाजपा मुख्य प्रवक्ता अजय चंद्राकर। उन्होंने कहा; कांग्रेस राम के नाम पर भी भ्रष्टाचार कर रही है और राम के नाम पर भ्रष्टाचार करने वालो को एक दिन जेल जाना ही पड़ेगा।

चुनाव के लिए भाजपा ने बनाई 16 समितियां,इन नेताओं को दी बड़ी जिम्मेदारी

रायपुर,25 जुलाई 2023 (ए)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव 2023 के लिए अब कुछ ही महीने बाकी है। वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव ने विधानसभा चुनाव के लिए विभिन्न समितियों की घोषणा की है। इसमें लगभग 16 समितियों के संयोजक, सहसंयोजक और सदस्यों की लिस्ट जारी हुई है। जारी सूची के अनुसार, चुनाव आयोग संपर्क समिति का संयोजक नरेश चंद्र गुप्ता, सह संयोजक डा. विजय शंकर मिश्रा और सदस्यों में गणेश शंकर मिश्रा और आरपीएस त्यागी शामिल हैं। कंट्रोल रूम, विमान और हेलीकाप्टर व्यवस्था समिति में संयोजक सुभाष राव समेत नौ सदस्यीय टीम शामिल हैं। वित्त समिति में पूर्व मंत्री अमर अग्रवाल संयोजक और सदस्यों में नंदन जैन और श्रीनिवास राव मद्दी शामिल हैं। क्रय समिति में पूर्व मंत्री राजेश मूणत संयोजक और सदस्यों में छगन मूंदड़ा, जगदीश बसु और ओंकर बैस शामिल हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने नेताओं को विभिन्न समितियों के आधार पर काम बांट दिया है।

आप का राजधानी में विरोध प्रदर्शन

- मणिपुर हिंसा के विरोध में आप ने निकली रैली, राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग

रायपुर,25 जुलाई 2023 (ए)। मणिपुर में हुई अमानवीय घटना से पूरा देश आक्रोशित है। छत्तीसगढ़ में भी मणिपुर की घटना को लेकर आक्रोश देखा जा रहा है। राजधानी रायपुर में मंगलवार को छत्तीसगढ़ आम आदमी पार्टी ने विरोध प्रदर्शन किया। आप पार्टी ने नलघर चौक के पास प्रदर्शन करते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इसमें शामिल होने के लिए प्रदेशभर से आप पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में रायपुर पहुंचे और मणिपुर की घटना का विरोध किया।

आप प्रदेश अध्यक्ष कोमल हुपेंडी के नेतृत्व में यह प्रदर्शन किया गया। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग की गई। वहीं राष्ट्रपति से मणिपुर की भाजपा सरकार को बर्खास्त करने की भी मांग की गई। वहीं, दूसरी ओर मणिपुर मामले में आप के संगठन महामंत्री और राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि, मोदी जी के पास फ्रांस, यूएसए समेत पूरी दुनिया घूमने का समय है, लेकिन मणिपुर में हो रही हिंसा पर कोई एक्शन लेने का समय नहीं है। मोदी अगर मजबूत नेता हैं तो इस तरह से छुप क्यों रहे हैं? सदन में आकर बयान दे दें, वरना पूरे विपक्ष का विरोध होता रहेगा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह*(पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)